मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 159
रविवार, 21 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

वोट बैंक के लिए घुसपैठियों की ढाल बनी ममता सरकारः पीएम मोदी

कोलकता, 20 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार घुसपैठियों को बचाने के लिए मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का विरोध कर रही है। ताहेरपुर में फोन पर एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल में घुसपैठियों को टीएमसी का संरक्षण प्राप्त है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल में टीएमसी के 'महाजंगल राज' का अंत करेगी और कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और तुष्टीकरण की राजनीति हावी है। उन्होंने कहा कि टीएमसी भाजपा का विरोध कर सकती है, लेकिन बिहार चुनाव परिणामों ने राज्य में भगवा पार्टी के लिए दरवाजे खोल दिए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वे चाहे जितनी जोर-शोर से, बार-बार, अपनी पूरी ताकत से हमारा विरोध करें। मुझे समझ नहीं आता कि पश्चिम बंगाल के विकास में बाधा क्यों डाली जा रही है। उन्होंने कहा कि आप मोदी का विरोध कर सकते हैं, लेकिन बंगाल की जनता को नाराज न करें। उनके अधिकारों से उन्हें वंचित न करें। उनके सपनों को चकनाचूर करने का पाप न करें। मैं पश्चिम बंगाल की जनता से हाथ जोड़कर विनम्रतापूर्वक निवेदन करता हूं कि वे भाजपा को एक मौका दें।

मोदी ने कहा कि टीएमसी भाजपा का विरोध करना चाहती है। उन्हें पूरी ताकत से, बार-बार हमारा विरोध करने दीजिए। मुझे समझ नहीं आता कि पश्चिम बंगाल के विकास में बाधा क्यों डाली जा रही है। आप मोदी का विरोध कर सकते हैं, लेकिन बंगाल की जनता को दुखी मत कीजिए। उनके अधिकारों का हनन मत कीजिए। उनके सपनों को चकनाचूर करने का पाप मत कीजिए। मैं पश्चिम बंगाल की जनता से हाथ जोड़कर विनम्रतापूर्वक निवेदन करता हूं कि भाजपा को एक मौका दें।

आज सुबह प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के राणाघाट में कई विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें लगभग 3,200 करोड़ रुपये की लागत वाली दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं में से एक एनएच-34 के 66.7 किलोमीटर लंबे बरजागुली-कृष्णानगर खंड का चार लेन का निर्माण है। उन्होंने एनएच-34 के 17.6 किलोमीटर लंबे बारासात-बरजागुली खंड के चार लेन के निर्माण का भी शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, इन परियोजनाओं से कोलकाता और सिलीगुड़ी के बीच संपर्क बेहतर होगा और लोगों का यात्रा समय लगभग दो घंटे कम हो जाएगा। पीएमओ ने यह भी कहा कि इनसे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों में सुधार होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

ट्रंप से समझौते के लिए पारित किया शांति विधेयक, कांग्रेस का प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने शनिवार को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सतत परमाणु ऊर्जा संवर्धन और विकास विधेयक (शांति) को पारित करने को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसे अमेरिकी हितों की पूर्ति के लिए संसद में जबरदस्ती पारित कराया गया और प्रधानमंत्री को अपने कभी अच्छे दोस्त के साथ शांति समझौते को बहाल करने में मदद करने के लिए ऐसा किया गया - हालांकि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। रमेश की आलोचना राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा हाल ही में वित्त वर्ष 2026 के लिए अमेरिकी राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) पर हस्ताक्षर करने की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें परमाणु दायित्व नियमों पर भारत और अमेरिका के

बीच संयुक्त आकलन का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इस घटनाक्रम ने संसद में शांति विधेयक को जबरदस्ती पारित कराने के पीछे के असली कारण को उजागर कर दिया है। एक बयान में रमेश ने कहा कि अमेरिकी कानून 3,000 से अधिक पृष्ठों का है और इसमें एक खंड शामिल है जो परमाणु दायित्व मानदंडों को संरेखित करने के लिए भारत के साथ परामर्श का उल्लेख करता है। उन्होंने एक्स पर उपरोक्त खंड से संबंधित अनुभाग के स्क्रीनशॉट साझा करते हुए पोस्ट किया राष्ट्रपति ट्रंप ने अभी-अभी अमेरिकी वित्तीय वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अधिनियम 3,100 पृष्ठों का है। पृष्ठ 1,912 पर परमाणु दायित्व नियमों पर संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच संयुक्त मूल्यांकन का उल्लेख है। रमेश के अनुसार, इस संदर्भ से यह स्पष्ट हो गया कि सरकार ने इस सप्ताह की शुरूआत में शांति विधेयक को इतनी जल्दी पारित करने का फैसला क्यों लिया।

पंजाब में टला 'रेल रोको' आंदोलन, पर किसानों ने दी चेतावनी, सिर्फ स्थगित हुआ, वापस नहीं

पंजाब, 20 दिसम्बर। पंजाब के किसानों ने प्रस्तावित रेल रोको आंदोलन को लेकर अपना फैसला बदल दिया है। 20 दिसंबर को होने वाला यह विरोध प्रदर्शन राज्य सरकार के आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया गया है। किसान नेता सरवन सिंह भंडार ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार शाम को सरकार के साथ बैठक हुई, जिसमें किसानों को आश्वासन दिया गया कि बिजली संशोधन विधेयक पंजाब में लागू नहीं किया जाएगा। सरकार ने स्मार्ट बिजली मीटर लगाने के संबंध में भी सकारात्मक आश्वासन दिया और कहा कि ऐसे मीटर राज्य में नहीं लगाए जाएंगे। किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि आंदोलन को स्थगित करने का निर्णय सरकार के आश्वासनों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आंदोलन वापस नहीं लिया गया है, बल्कि केवल स्थगित किया गया है। इस बीच, किसानों की लंबित मांगों पर चर्चा करने के लिए किसान प्रतिनिधियों और सरकार के बीच 22 दिसंबर को एक और बैठक निर्धारित की गई है। किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के आह्वान पर और दशमेश किसान मजदूर यूनियन के समर्थन से आयोजित यह विरोध प्रदर्शन पंजाब भर में 18 और 19 दिसंबर को जिला आयुक्त कार्यालयों के बाहर चल रहे दो दिवसीय राज्यव्यापी आंदोलन का हिस्सा था।

प्रदर्शन के दौरान, किसानों ने राज्य सरकार द्वारा किसान समुदाय से किए गए वादों को पूरा न करने और 5 दिसंबर को रेल रोको आंदोलन से कुछ घंटे पहले यूनियन नेताओं की गिरफ्तारी के बाद किसानों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर कथित अंकुश लगाने के खिलाफ भी विरोध जताया।

जम्मू-कश्मीर में बड़ी सुरक्षा खामी उजागर, हाईड्रो प्रोजेक्ट के 29 कर्मचारियों के आतंकी लिंक

जम्मू, 20 दिसम्बर। पुलिस सत्यापन अभियान में देश की एक प्रमुख विद्युत अवसंरचना परियोजना में सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। जम्मू-कश्मीर के किश्तवार में निमार्णाधीन रतले जलविद्युत परियोजना में काम कर रहे 29 कर्मचारियों के आतंकी संबंधों या आपराधिक पृष्ठभूमि होने का पता चला है, जिसके बाद जिला पुलिस ने परियोजना का संचालन कर रही कंपनी को चेतावनी जारी की है। इस खुलासे ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है और जम्मू-कश्मीर में रणनीतिक रूप से संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा जांच पर सवाल खड़े कर दिए हैं। 1 नवंबर को भेजे गए एक पत्र में किश्तवार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) को सूचित किया कि पांच कर्मचारी सक्रिय आतंकवादियों, ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) या आत्मसमर्पण

करने वाले आतंकवादियों से संबंधित थे, जबकि 24 अन्य के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित थे।

किश्तवार के द्राबशाला में चिनाब नदी पर बन रही 850 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना, रैटल को इसके रणनीतिक महत्व के कारण, विशेष रूप से क्षेत्र में बढ़ी हुई सुरक्षा चिंताओं के बीच, एक उच्च जोखिम वाले लक्ष्य के रूप में चिह्नित किया गया है। पुलिस के आकलन के अनुसार, एक कर्मचारी के पिता को ओजीडब्ल्यू (अवैध आतंकवादी) के रूप में दर्ज किया गया है, जबकि उनके चाचा मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर सरोरी हिजबुल मुजाहिदीन के सक्रिय आतंकवादी हैं। सरोरी परियोजना में कार्यरत दो अन्य कर्मचारियों के भी करीबी रिश्तेदार हैं। एक कर्मचारी के पिता ने आत्मसमर्पण कर दिया है, जबकि दूसरे कर्मचारी के पिता का नाम सीआईडी रिकॉर्ड में आतंकवादी संगठन से बाहर का सैनिक (ओजीडब्ल्यू) के रूप में दर्ज है।

पुलिस के बयान में नामित शेष 24 कर्मचारियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही चल रही है, हालांकि यह आतंकवाद से संबंधित नहीं है। जिला पुलिस ने चेतावनी दी कि ऐसे पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को नियुक्त करने से परियोजना की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

ट्रेन दुर्घटना में 7 हाथियों की मौत, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

असम। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को दिन में हुई एक दुखद रेल दुर्घटना में सात हाथियों (तीन वयस्क और चार शावक) की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि आज सुबह हुई एक दुखद रेल दुर्घटना में सात हाथियों (तीन वयस्क और चार शावक) की मृत्यु से हम अत्यंत दुखी हैं। मैंने वन विभाग को इस अत्यंत चिंताजनक दुर्घटना की विस्तृत जांच करने और वन्यजीव गलियारों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने ऐसी घटनाओं को रोकने और वन्यजीवों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया, खासकर उन संवेदनशील गलियारों में जिनका उपयोग हाथियों द्वारा अक्सर किया जाता है। न्यू फूड रेलवे के लुमडिंग डिवीजन के जमुनामुख-कामपुर खंड में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, जिसमें ट्रेन संख्या 20507 डीएन सैरांग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस हाथियों से टकरा गई, जिसके परिणामस्वरूप ट्रेन का इंजन और पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। सात हाथियों की मौत हो गई, जबकि किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही, न्यू फूड रेलवे के महाप्रबंधक और लुमडिंग डिवीजन के रेलवे प्रबंधक सहित वरिष्ठ रेलवे अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और मरम्मत कार्य शुरू किया। प्रभावित डिब्बों के यात्रियों को अस्थायी रूप से अन्य डिब्बों में उपलब्ध खाली बर्थों में समायोजित कर दिया गया है।

पटरी से उतरी ट्रेन, प्रभावित डिब्बों को अलग करने के बाद, सुबह 6:11 बजे गुवाहाटी के लिए रवाना हो गई है। गुवाहाटी पहुँचने पर, प्रभावित डिब्बों के यात्रियों को समायोजित करने के लिए अतिरिक्त डिब्बे जोड़े जाएँगे और ट्रेन अपनी यात्रा फिर से शुरू करेगी।

बेलगाम बांग्लादेश की अशांति भारत के लिये खतरा

-ललित गर्ग

बांग्लादेश में बीते कुछ समय से जो घटनाक्रम सामने आ रहे हैं, वे किसी एक देश की आंतरिक समस्या भर नहीं रह गए हैं, बल्कि दक्षिण एशिया की समूची भू-राजनीतिक स्थिरता के लिए एक गंभीर चेतावनी बनते जा रहे हैं। युवा छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद जिस तरह ढाका सहित कई शहरों में हिंसा भड़की, उसने यह उजागर कर दिया कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार न तो कानून का शासन स्थापित कर पा रही है और न ही समाज को उन्माद व कट्टरता से बचाने में सक्षम दिखाई देती है। सड़कों पर उग्र भीड़, अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हमले, हिन्दू धर्म-स्थलों को ध्वस्त करना, मीडिया संस्थानों के दफ्तरों में आगजनी, पत्रकारों पर हमले और असहमति की आवाजों को दबाने की कोशिशें यह संकेत देती हैं कि बांग्लादेश तेजी से अराजकता के दलदल में धंसता जा रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र के भविष्य के लिए जितनी भयावह है, उतनी ही खतरनाक क्षेत्रीय शांति के लिए भी है। इस पूरे परिदृश्य का सबसे चिंताजनक एवं त्रासद पहलू भारत विरोधी नैरेटिव का सुनियोजित एवं षड़यंत्रपूर्ण निर्माण है। शरीफ उस्मान हादी की हत्या के लिए बिना किसी ठोस जांच के भारत पर आरोप

मढ़ना और उसके बाद भारतीय मिशनों को निशाना बनाने की कोशिशें यह बताती हैं कि हिंसा केवल स्वतःस्फूर्त जनाक्रोश नहीं, बल्कि एक सुविचारित राजनीतिक और वैचारिक साजिश का हिस्सा है। इतिहास गवाह है कि जब भी बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है, कुछ कट्टरपंथी ताकतें भारत विरोध को एक आसान औजार की तरह इस्तेमाल करती हैं। इससे न केवल भीड़ को भड़काया जाता है, बल्कि आंतरिक विफलताओं से ध्यान हटाने का रास्ता भी मिल जाता है। अंतरिम सरकार की निष्क्रियता या मौन सहमति इस आशंका को और मजबूत करती है कि वह या तो इन ताकतों पर नियंत्रण खो चुकी है या फिर उनसे समझौता कर चुकी है। इसमें सबसे घातक है पाकिस्तान का साजिशपूर्ण तरीके से भारत विरोध को हवा देना।

भारत द्वारा अपने वीजा केंद्रों को अस्थायी रूप से बंद करना और बांग्लादेशी उच्चायुक्त को तलब करना इस पृष्ठभूमि में एक आवश्यक और संतुलित कूटनीतिक कदम कहा जा सकता है। किसी भी संप्रभु राष्ट्र की यह जिम्मेदारी होती है कि वह विदेशी राजनयिकों और मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। ढाका में भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिशें और वहां प्रशासन की ढुलमुल प्रतिक्रिया यह दर्शाती हैं कि अंतरिम सरकार इस बुनियादी दायित्व को निभाने में विफल रही है। कूटनीति केवल सौहार्द की भाषा नहीं होती, बल्कि यह स्पष्ट संदेश देने का माध्यम भी होती है कि भारत अपने हितों और नागरिकों की सुरक्षा के प्रश्न पर किसी तरह की उदासीनता स्वीकार नहीं कर सकता।

इस अशांति का सबसे दर्दनाक और संवेदनशील पक्ष बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की बिगड़ती स्थिति है। कथित ईशनिंदा के आरोपों में एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या इस बात का प्रमाण है कि कट्टरपंथी तत्वों को अब प्रशासन का कोई भय नहीं रह गया है। जब न्याय भीड़ के हाथों में चला जाए और सरकार अल्पसंख्यक अधिकारों पर केवल औपचारिक बयान जारी करती रहे, तो यह लोकतांत्रिक राज्य की आत्मा पर सीधा प्रहार होता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी भी इस संदर्भ में कई सवाल खड़े करती है। मानवाधिकारों और अल्पसंख्यक संरक्षण की दुहाई देने वाले वैश्विक मंच तब मौन क्यों हो जाते हैं, जब यह उल्लंघन रणनीतिक या राजनीतिक समीकरणों के भीतर घटित होते हैं। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पुत्र और सलाहकार साजीब वाजेद जॉय का यह कथन कि बांग्लादेश की आग से भारत अछूता नहीं रह सकता, केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई है। भारत और बांग्लादेश के बीच हजारों किलोमीटर की साझा सीमा, सांस्कृतिक-सामाजिक रिश्ते और आर्थिक निर्भरता ऐसी है कि ढाका की अस्थिरता का असर स्वाभाविक रूप से भारत के सीमावर्ती राज्यों पर पड़ेगा। अवैध घुसपैठ, कट्टरपंथी नेटवर्कों की सक्रियता और सीमा पार अपराधों का खतरा इस अस्थिरता के साथ बढ़ता ही जाएगा।

आगामी फरवरी में प्रस्तावित आम चुनाव बांग्लादेश के लिए एक अवसर हो सकते थे, जिससे वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए स्थिरता की ओर लौट सके। लेकिन मौजूदा हालात में चुनाव की पारदर्शिता और शांति पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग चुके हैं। कट्टरपंथी ताकतें जनभावनाओं को भड़काकर हिंसा का माहौल बनाए रखने में जुटी हैं, ताकि सत्ता का संतुलन अपने पक्ष में मोड़ा जा सके। अंतरिम सरकार का यह दायित्व है कि वह निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करे, लेकिन अब तक के संकेत बताते हैं कि वह इस चुनौती के सामने कमजोर साबित हो रही है। इस पूरे परिदृश्य में पाकिस्तान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दक्षिण एशिया में अस्थिरता फैलाना और भारत के पड़ोस में अशांति, हिंसा एवं आतंक के बीज बोना पाकिस्तान की पुरानी रणनीति रही है। बांग्लादेश में कट्टरपंथी संगठनों और भारत विरोधी तत्वों को वैचारिक, नैतिक और कभी-कभी परोक्ष समर्थन मिलना कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तान के लिए यह एक अवसर की तरह है, जहां वह बांग्लादेश की आंतरिक कमजोरियों का फायदा उठाकर भारत के खिलाफ एक और मोर्चा खोल सकता है। सोशल मीडिया अभियानों से लेकर दुष्प्रचार तक, कई संकेत इस ओर इशारा करते हैं कि बांग्लादेश में फैलाई जा रही भारत विरोधी भावना के पीछे पाक की सोच भी सक्रिय है। यह वही रणनीति है, जिसे पाकिस्तान ने अफगानिस्तान और अपने ही देश में अपनाकर पूरे क्षेत्र को अस्थिरता के गर्त में धकेल दिया। भारत का रुख हमेशा से एक स्थिर, समृद्ध और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के पक्ष में रहा है। आर्थिक सहयोग, बुनियादी ढांचे के विकास और मानवीय सहायता के माध्यम से भारत ने यह साबित किया है कि वह अपने पड़ोसी के साथ सहयोगात्मक संबंध चाहता है, न कि वर्चस्ववादी। लेकिन यदि ढाका की अंतरिम सरकार अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों और सांप्रदायिक हिंसा के लिए होने देती है, तो द्विपक्षीय संबंधों में आई दरार को भरना बेहद कठिन हो जाएगा। यह केवल कूटनीति का प्रश्न नहीं, बल्कि विश्वास और साझी सुरक्षा का भी मुद्दा है। अंतरिम सरकार के सामने अब दो ही रास्ते हैं। पहला, वह कठोर कार्रवाई कर यह साबित करे कि वह किसी कट्टरपंथी विचारधारा की बंधक नहीं है और कानून का शासन बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। दूसरा, वह निष्क्रियता और तुष्टीकरण के रास्ते पर चलते हुए देश को और गहरे संकट में धकेल दे। इतिहास बताता है कि दूसरा रास्ता अंततः लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने तीनों को नष्ट कर देता है।

बांग्लादेश एक ऐसे समय अराजकता में डूबा है, जब वहां चुनाव सन्निकट है। अब इन चुनावों का सही एवं लोकतांत्रिक तरीके से होना संदिग्ध है। इन चुनावों में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को भाग लेने से रोकना एवं पाकिस्तानपरस्त जमाते इस्लामी समेत अन्य कट्टरपंथी ताकतों को भी चुनाव लड़ने की छूट देना, अंतरिम युनूस सरकार की कुचेष्टा है। सबसे बड़ी चिन्ता की बात यह है कि चुनाव के बाद वहां इस्लामिक कट्टरपंथियों के वर्चस्व वाली ऐसी सरकार अस्तित्व में आ सकती है, जो भारत के खिलाफ खुलकर काम करते हुए अल्पसंख्यकों के संहार को अंजाम देगी। भारत के लिए इसीलिये भी यह समय केवल चिंता व्यक्त करने का नहीं, बल्कि सतर्क और सक्रिय कूटनीति अपनाने का है। सीमा सुरक्षा को मजबूत करते हुए वैश्विक मंचों पर बांग्लादेश की ताजा घटनाओं को स्पष्टता और तथ्यों के साथ उठाना आवश्यक है। पड़ोस में लगी यह आग यदि समय रहते नहीं बुझाई गई, तो इसकी तपिश केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया को झुलसा सकती है। स्थिरता, लोकतंत्र और सह-अस्तित्व की रक्षा के लिए यह अनिवार्य है कि बांग्लादेश की मौजूदा अराजकता को एक चेतावनी की तरह लिया जाए, न कि एक क्षणिक राजनीतिक उथल-पुथल के रूप में।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला, वैश्विक चुप्पी और भारत के सामने कठोर सवाल

-अजय कुमार

दो दिन पहले तक दुनिया को इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का उपदेश दिया जा रहा था। बड़े मंचों से भाषण हो रहे थे, मानवता और सभ्यता की दुहाई दी जा रही थी। लेकिन आज वही दुनिया बांग्लादेश में बहते हिंदुओं के खून पर खामोश है। वही ताकतें, जो खुद को मानवाधिकारों की सबसे बड़ी संरक्षक बताती हैं, आज ऐसी चुप्पी साधे बैठी हैं मानो कुछ हुआ ही न हो। बांग्लादेश में जो कुछ बीते दिनों हुआ, वह सिर्फ एक पड़ोसी देश की आंतरिक अशांति नहीं है, बल्कि यह उस सलेक्टिव सोच और वैचारिक पाखंड का आईना है, जिसे पूरी दुनिया को देखना चाहिए। बांग्लादेश में हालात उस वक्त बिगड़ने शुरू हुए, जब कट्टरपंथी नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद सड़कों पर उन्मादी भीड़ उतर आई। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन हिंसा में बदल गए। ढाका समेत कई शहरों में आगजनी, तोड़फोड़ और अराजकता फैल गई। मीडिया संस्थानों को निशाना बनाया गया, सरकारी संपत्ति जलाई गई और भारत विरोधी नारे खुलेआम लगाए गए। यह सब कुछ अचानक नहीं हुआ, बल्कि लंबे समय से पनप रही कट्टर सोच का विस्फोट था। इस उन्माद की सबसे भयावह तस्वीर मैमनसिंह जिले से सामने आई। यहां एक हिंदू युवक दीपू चंद्र दास को भीड़ ने घेर लिया। पहले उसे बेरहमी से पीटा गया, फिर उसकी हत्या कर दी गई। यहीं तक भी दरिंदगी नहीं रुकी। युवक के शव को पेड़ से लटकाया गया और बीच सड़क पर लाकर आग लगा दी गई। यह घटना किसी एक व्यक्ति की हत्या नहीं थी, बल्कि यह साफ संदेश था कि कट्टरपंथी भीड़ कानून, संविधान और इंसानियत से ऊपर खुद को मानने लगी है। इस बर्बरता के बाद सवाल उठना स्वाभाविक था कि दुनिया क्या बोलेगी। लेकिन यहां भी वही पुरानी कहानी दोहराई गई। पश्चिमी देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की ओर से कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं आई। न कोई तीखा बयान, न कोई सख्त चेतावनी। मानो एक हिंदू की हत्या कोई मायने ही नहीं रखती। इसके उलट जब ढाका में अखबारों के दफ्तर जले, तब प्रेस स्वतंत्रता की चिंता में बयान जारी होने लगे। यह फर्क साफ बताता है कि मानवाधिकारों की परिभाषा किसके लिए है और किसके लिए नहीं।

ढाका में प्रथम आलो और द डेली स्टार जैसे बड़े अखबारों के दफ्तरों पर हमला हुआ। आगजनी और तोड़फोड़ की गई। इसके बाद पश्चिमी देशों के मीडिया संगठनों ने प्रेस नोट जारी कर चिंता जताई। यह चिंता अपनी जगह सही हो सकती है, लेकिन सवाल यह है कि उसी ढाका से कुछ ही दूरी पर जब एक हिंदू को जिंदा जला दिया गया, तब इनकी जुबान क्यों बंद हो गई। क्या इंसान की जान से ज्यादा इमारतें कीमती हैं? बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने जरूर इस हत्या की निंदा की और दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया। कुछ गिरफ्तारियां भी हुईं। लेकिन सच्चाई यह है कि जमीन पर डर का माहौल कायम है। हिंदू समुदाय खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, मंदिरों की तोड़फोड़ और जबरन पलायन की खबरें आती रही हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार हिंसा ने बेहद क्रूर रूप ले लिया। इस पूरी उथल-पुथल के बीच एक और तस्वीर सामने आई, जिसने भारत में आक्रोश को और बढ़ा दिया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शरीफ उस्मान हादी को श्रद्धांजलि दी। वही हादी, जिसकी पहचान भारत विरोधी राजनीति से जुड़ी रही है। वही हादी, जिसका नाम ग्रेटर बांग्लादेश जैसे विवादित नक्शे से जुड़ा, जिसमें भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों को बांग्लादेश का हिस्सा दिखाया गया था। सवाल यह है कि जब बांग्लादेश की संस्थाएं खुलेआम भारत विरोधी सोच को सम्मान दे रही हैं, तो भारत को भी आंख बंद कर रिश्ते निभाने चाहिए या नहीं? यही सवाल अब क्रिकेट और आईपीएल तक पहुंच गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को करोड़ों रुपये में खरीदे जाने पर बहस तेज हो गई है। खेल भावना की दुहाई देने वाले कह रहे हैं कि खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। लेकिन जब खेल संस्थाएं ही राजनीतिक संदेश देने लगें, तब यह तर्क कमजोर पड़ जाता है। अतीत में मुस्तफिजुर के भारत विरोधी पोस्ट लाइक करने को लेकर विवाद हो चुका है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या भारत अपने ही खिलाफ जहर उगलने वालों पर पैसा और सम्मान लुटाए।

सोशल मीडिया पर आज यही बहस छाई हुई है। लोग पूछ रहे हैं कि जब बांग्लादेश की सड़कों पर भारत विरोधी नारे लग रहे हैं, हिंदुओं को मारा जा रहा है और भारत विरोधी सोच को महिमामंडित किया जा रहा है, तो बीसीसीआई और आईपीएल क्यों चुप हैं। क्या भारत प्रथम का विचार सिर्फ भाषणों तक सीमित रहेगा या फैसलों में भी दिखेगा।यह मुद्दा सिर्फ क्रिकेट या एक खिलाड़ी का नहीं है। यह राष्ट्रीय स्वाभिमान और सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। पाकिस्तान के मामले में भारत ने साफ रुख अपनाया। खेल संबंध तोड़े गए, संदेश साफ दिया गया। अब जब बांग्लादेश में भी वही पाकिस्तान जैसी सोच उभरती दिख रही है, तो क्या भारत को अलग मापदंड अपनाने चाहिए।बांग्लादेश की सड़कों पर जो कुछ हो रहा है, वह पूरे क्षेत्र के लिए चेतावनी है। कट्टरपंथ किसी एक धर्म या देश तक सीमित नहीं रहता। यह जहां भी पनपता है, वहां इंसानियत को कुचल देता है। आज निशाने पर हिंदू हैं, कल कोई और हो सकता है। यही कारण है कि इस वैचारिक आतंक के खिलाफ स्पष्ट और बिना दोहरे मापदंड के लड़ाई जरूरी है। दुनिया को यह समझना होगा कि इस्लामिक कट्टरपंथ सिर्फ यहूदियों या पश्चिमी देशों के लिए खतरा नहीं है। यह उतना ही बड़ा खतरा हिंदुओं और एशिया के देशों के लिए भी है। एक हिंदू की हत्या भी उतनी ही अमानवीय है, जितनी किसी और की। जब तक यह बात स्वीकार नहीं की जाएगी, तब तक मानवाधिकार की बातें खोखली रहेंगी। भारत के सामने आज भावनाओं से नहीं, बल्कि सख्त नीति से काम लेने का वक्त है। दोस्ती उन्हीं से हो सकती है, जो दोस्ती की कद्र करें। जो भारत के खिलाफ सोचेंगे, भारत विरोधी उन्माद को बढ़ावा देंगे, उन्हें यह संदेश साफ मिलना चाहिए कि भारत अब चुप नहीं बैठेगा। यही समय की मांग है और यही भारत के हित में है।

जल का विस्मरण : आधुनिकता, अहंकार और सूखती हुई धरती

- डॉ सत्यवान सौरभ

भारत के समकालीन संकटों में जल सबसे अधिक चर्चित है, पर सबसे कम समझा गया भी। सूखा, बाढ़, गिरता भूजल, प्रदूषित नदियाँ—इन सबको हम अलग-अलग घटनाओं की तरह देखते हैं, जबकि ये एक ही कहानी के अलग अध्याय हैं। यह कहानी प्राकृतिक आपदा की नहीं, बल्कि मानवीय विस्मृति की है। हमने जल को केवल संसाधन समझ लिया और उसके साथ जुड़ी स्मृति, संस्कार और संवेदना को त्याग दिया।

बाँध बनाकर पानी को जमीन के ऊपर रोकने का विचार आधुनिक विकास की सबसे बड़ी भ्रांतियों में से एक है। यह व्यवस्था प्रकृति के स्वभाव के विरुद्ध खड़ी की गई है। जल का स्वभाव ठहरना नहीं, उतरना है—धरती की कोख में समाना, वहाँ से जीवन को पोषित करना। तालाब, जोहड़, कुएँ और बावड़ियाँ इसी स्वभाव की अभिव्यक्ति थे। वे पानी को रोकते नहीं थे, सहेजते थे। यही कारण है कि वे समय-सिद्ध और स्वयं-सिद्ध व्यवस्थाएँ थीं, जिन्होंने लाखों वर्षों तक मानव सभ्यता का साथ दिया।

आज हम बाँधों को विकास का प्रतीक मानते हैं, जबकि तालाबों को पिछड़ेपन की निशानी समझते हैं। यह दृष्टि का पतन है। एक समय पंजाब में सत्रह हजार से अधिक तालाबों का उल्लेख मिलता है। वे केवल जलस्रोत नहीं थे, बल्कि सामुदायिक जीवन के केंद्र थे—पशुओं, खेतों, पक्षियों और मनुष्यों को जोड़ने वाले जीवित स्थल। आज स्थिति यह है कि तालाब तो दूर, पंजाब में शामलात जमीनों तक का समुचित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं। जब स्मृति मिटा दी जाती है, तो संकट अपरिहार्य हो जाता है।

हमारे पुरखे जानते थे कि बाढ़ विनाश नहीं, अवसर है। वे जानते थे कि यदि बाढ़ का पानी फैलकर तालाबों, जोहड़ों और मैदानों में उतरे, तो वही पानी धरती को पुनर्जीवित करेगा। इसलिए तालाबों से मिट्टी निकालने की परंपराएँ थीं—कोई इसे श्रमदान कहता था, कोई सामाजिक कर्तव्य। तालाब गहरे होते थे, उनकी कोख विस्तृत होती थी और वे वर्षा के अधिकतम जल को आत्मसात कर लेते थे। यह एक ऐसी व्यवस्था थी जिसमें तकनीक नहीं, समझ काम करती थी। विडंबना यह है कि जिन हाथों ने तालाबों को पाटा, जोहड़ों को भर दिया और कुओं को कचरे से बंद कर दिया, वही हाथ आज पानी के लिए आसमान की ओर देख रहे हैं। तालाबों को मारने वाले जब स्वयं मरने लगते हैं, तो दोष प्रकृति पर, जलवायु परिवर्तन पर या पूर्वजों पर मढ़ दिया जाता है। आत्मालोचना का साहस अब दुर्लभ होता जा रहा है।

यह संकट केवल जल का नहीं, शिक्षा का भी है। मैं अक्सर सोचता हूँ कि ठीक से शिक्षित होने का अर्थ क्या है। क्या यह केवल डिग्रियाँ, आंकड़े और तकनीकी शब्दावली है? नहीं। ठीक से शिक्षित होने का अर्थ है सामवेदी होना—भगवत्ता द्वारा प्रदत्त पूरे इकोसिस्टम से एकात्म होना। जब मनुष्य स्वयं को प्रकृति से अलग मानने लगता है, तब उसका ज्ञान चतुराई बन जाता है और चतुराई अंततः विनाश की ओर ले जाती है। शेष सब तो बकलोली के ही परिष्कृत रूप हैं। देश में जल-प्रबंधन की स्थिति का अंदाजा इसी एक तथ्य से लगाया जा सकता है कि आज तक ऐसा कोई विस्तृत, विश्वसनीय और समग्र सर्वेक्षण नहीं हो सका है, जिससे यह पता चले कि भारत में वास्तव में कुल जल कितना है। हम योजनाएँ बनाते हैं, बजट स्वीकृत करते हैं और घोषणाएँ करते हैं—बिना यह जाने कि आधार क्या है। यह नीति नहीं, अनुमान है; और अनुमान पर खड़ा विकास देर-सवेर ढहता ही है। भूजल-दोहन की तस्वीर तो और भी भयावह है। पंजाब में लगभग साढ़े सत्रह लाख और हरियाणा में लगभग नौ लाख सबमर्सिबल धरती के गर्भ से पानी उलीच रहे हैं। धरती मानो सबमर्सिबलों की शर-शय्या पर लेट चुकी है। बिना किसी इच्छा-मृत्यु के वरदान के, हम उसे प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा मार रहे हैं। यह हरियाली की कीमत पर रची गई एक मौन त्रासदी है, जो आने वाले समय में विकराल रूप धारण करेगी।

पर्यावरण की कीमत पर होने वाला विकास उसी डाल पर बैठने जैसा है, जिसे हम स्वयं काट रहे हैं। यह स्थिति कालिदास की कथा की याद दिलाती है—जहाँ मूर्खता को विद्वत्ता का आवरण ओढ़ा दिया जाता है। चौड़ी सड़कें, ऊँची इमारतें और चमकदार परियोजनाएँ हमें प्रगति का भ्रम देती हैं, जबकि भीतर से जमीन सूख रही होती है। यह विकास नहीं, सजाया हुआ विनाश है। शहर इस विफलता के सबसे स्पष्ट उदाहरण हैं। आधुनिक विद्या-केन्द्रों और नीति-निमार्ताओं के पास आज भी कोई समग्र दृष्टि नहीं है, जिसके अनुसार भारतीय शहरों में जल-निकासी, जल-संरक्षण, गंदगी के उत्पादन में कमी और उत्पन्न गंदगी के उपयोग का कोई राष्ट्रीय ढाँचा हो। बारिश में शहर डूबते हैं और गर्मियों में वही शहर प्यास से कराहते हैं। यह विरोधाभास व्यवस्था की नहीं, दृष्टि की असफलता का प्रमाण है। नदियों की हालत इस कहानी का सबसे मार्मिक अध्याय है। प्रदूषित नदियों की सूची इतनी लंबी हो चुकी है कि उसे पढ़ते हुए ऐसा लगता है मानो हम किसी मृतकों की नामावली देख रहे हों। जिन नदियों ने सभ्यताओं को जन्म दिया, आज वे हमारी लापरवाही की शिकार हैं। हम उन्हें माँ कहते हैं, पर व्यवहार ऐसा करते हैं मानो वे अनंत सहनशील हों। यह सांस्कृतिक पाखंड अब अपनी सीमा पर पहुँच चुका है। अभी कुछ ही दशक पहले तक भारत के शहर, गाँव, चरागाहें, खेत, जंगल, तालाब, कुएँ और बावड़ियाँ जीवन से भरे हुए थे। यह कोई आदर्शीकृत अतीत नहीं, बल्कि सामाजिक स्मृति का तथ्य है। उस समय संसाधन सीमित थे, पर समझ व्यापक थी। समुदाय था, सहभागिता थी और प्रकृति के साथ सहजीवन का भाव था। सरकारी विकास कार्यक्रमों ने इस सामाजिक चरित्र को छिन्न-भिन्न कर दिया। योजनाएँ बढ़ीं, पर समाज सिकुड़ गया।

आज आवश्यकता इस बात की है कि जल-प्रबंधन को केवल इंजीनियरों और योजनाकारों के हवाले न छोड़ा जाए। यह प्रश्न तकनीकी से अधिक नैतिक और सांस्कृतिक है। तालाबों का पुनर्जीवन, जोहड़ों की वापसी, वर्षा-जल संचयन और सामुदायिक भूमि की रक्षा—ये सब भविष्य की खोज नहीं, अतीत की स्मृति हैं। हमें पीछे लौटना नहीं, बल्कि याद करना है।

जल कोई वस्तु नहीं, एक संबंध है—मनुष्य और प्रकृति के बीच। जब यह संबंध टूटता है, तो आपदाएँ जन्म लेती हैं। समय अभी भी है, पर चेतावनी स्पष्ट है। यदि हमने जल के साथ अपना रिश्ता नहीं सुधारा, तो इतिहास हमें उस पीढ़ी के रूप में याद रखेगा, जिसने अपनी ही धरती को प्यास से मार दिया।

झुर्रियों में कैद विरासत, यादें, परंपराएँ, पीढ़ियों का इतिहास और कांपते हाथों की दुआएँ

-राजकुमार जैन, स्वतंत्र विचारक और लेखक

क्या कभी आपने घर के उस मौन कोने को देखा है, वहाँ आराम कुर्सी पर बैठे बुजुर्ग, शून्य में निहारते रहते हैं। दरअसल वो सिर्फ देख नहीं रहे होते; वे अपनी यादों के गलियारों में टहल रहे होते हैं। उनके चेहरे पर पड़ी हर झुर्री समय का एक दस्तावेज है, एक ऐसी लिपि है जिसमें संघर्ष, प्रेम, त्याग और जीवन के गहरे रहस्य लिखे हैं। वे वह नींव हैं, जिसके पत्थरों में हमारे अस्तित्व का इतिहास उकेरा हुआ है। हमारे घरों में मौजूद ये बुजुर्ग जनगणना रिकार्ड में दर्ज एक 'सदस्य' भर नहीं हैं, वो तो बीते हुए समय के जीवंत हस्ताक्षर हैं। वो वह वटवृक्ष हैं, जिसकी छाँव तले हमारा बचपन खेला और जवानी परवान चढ़ी। उनके सानिध्य में सुकून की वो खुशबू है, जो किसी इत्र में नहीं मिलती। उनके अनुभवों की भूमि में हमारे परिवार रूपी वृक्ष की जड़ें फैली हुई हैं। लेकिन विडंबना यह है कि हम उसके फलों को तो तोड़ रहे हैं, पर जड़ों को पानी देना भूल रहे हैं। यही विरासत, यही यादें अगर हमने आज नहीं सहेजीं, तो वक्त की आंधी में धीरे-धीरे सारी पारिवारिक स्मृतियाँ रेत की तरह बिखर जाएंगी। और एक दिन, जब हम पीछे मुड़कर देखेंगे, तो वहां सिवाय सन्नाटे के कुछ नहीं होगा। लिखकर, बोलकर, रिकार्ड कर, और अपने दिल में सँजोकर हम अपनी पारिवारिक स्मृतियों को अमिट बना सकते है।

सहेजिए रसोई की वो महक, जहाँ स्वाद नहीं, भावनाएँ पकती थीं। क्या आपको याद आती है नानी-दादी की रसोई से आती वह सोंधी महक जो महज मसालों का संगम नहीं थी, वह एक युग की पहचान थी। वह खट्टा-मीठा अचार जिसे धूप में सुखाते वक्त नानी की नजरों का पहरा होता था, सर्दियों में तिल-गुड़ की पट्टी, मैथीदाने वाली कढ़ी, या माँ के हाथों रोज पकने वाली अलौकिक दाल, इनमें कोई सीक्रेट मसाला नहीं डलता था। इनका सीक्रेट इनग्रेडिएंट था बनाने वाले का 'भाव'।

दादी की उंगलियों का वह नाप, जिसे दुनिया का कोई भी 'मेजरिंग कप' नहीं माप सकता। ₹बेटा, अंदाज से डाल दो₹ यह 'अंदाज' ही तो उनकी पाककला की विशेषज्ञता थी। उनकी सरलता, धैर्य, वह परोसने की आत्मीयता, वह जिद करके खिलाना, यह सब हमारी अगली पीढ़ी का असली खजाना है। लेकिन अफसोस, हम पिज्जा की डिलीवरी में उस स्वाद को भूलते जा रहे हैं। यदि इन पारिवारिक और परंपरागत विधियों को सहेजा ना गया, यदि घर की बेटियों और बेटों को वो हुनर न सिखाया गया, तो एक दिन हमारे पास खाने को तो बहुत कुछ होगा, लेकिन 'स्वाद' हमेशा के लिए खो जाएगा। हमें इस स्वाद को अगली पीढ़ी की थाली तक पहुँचाना होगा। लिख लीजिए उन कहानियों को जो अब स्क्रीन के पीछे छुप गई हैं, एक वक्त था जब रातें ₹एक था राजा, एक थी रानी₹ से शुरू होती थीं और दादी की लोरी पर खत्म होती थीं। उन कहानियों में परियों का जादू था, राजकुमारों का साहस था, और जीवन का वो भोलापन था जो आज की चालाक दुनिया में दुर्लभ है। दादा जी के किस्से हमें सिखाते थे कि गिरकर कैसे संभलना है।

लेकिन आज की रातें मोबाइल की नीली रोशनी से शुरू होती हैं। कहानियाँ अब सुनाई नहीं जातीं, 'डाउनलोड' की जाती हैं। हम भूल रहे हैं कि एक कहानी पीढ़ियों के बीच एक ऐसा अदृश्य लेकिन मजबूत पुल बनाती है, जिस पर चलकर संस्कार एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचते हैं। वे कहानियाँ लिखी जानी चाहिए, उनकी आवाज रिकॉर्ड होनी चाहिए। बच्चों को पता होना चाहिए कि उनके दादा के दादा कौन थे, न कि सिर्फ यह कि स्पाइडरमैन कौन है।

दर्ज कर लीजिए भावनाओं के प्रमाण और यादों के दस्तावेज, हम दुनिया का इतिहास रटते हैं, परीक्षाओं में पास होने के लिए। लेकिन अपने ही घर के इतिहास में हम 'फेल' हो रहे हैं। हमारा गाँव कौन सा था, हमारे पुराने घर की नींव किस संघर्ष पर रखी गई थी, पिता की पहली कमाई क्या थी माँ ने अपने कौन से सपने गिरवी रखकर हमें पाला पोसा, ये महज बातें नहीं हैं; ये भावनाओं के जीवित प्रमाण हैं।

हमें अपने घर का इतिहासकार बनना होगा। उन पुरानी एल्बमों को अलमारी से निकालिए, उन पीली पड़ती तस्वीरों के पीछे तारीख और नाम लिखिए। पुराने लोकगीत जो घर की महिलाये ढोलक पर गाती थीं, उन्हें वीडियो में कैद कीजिए। क्यों न हम प्रति माह एक दिन ह्यविरासत दिवस मनाएँ, उस दिन कोई टीवी नहीं, कोई फोन नहीं। उस दिन सिर्फ घर के बुजुर्ग बोलें और हम सुनें। उनसे पूछें कि उन्होंने जीवन को कैसे जिया, कैसे समझा, मुश्किलों का सामना कैसे किया। यकीन मानिए, उनके पास जीवन प्रबंधन (के ऐसे सूत्र हैं जो किसी मैनेजमेंट स्कूल में नहीं पढ़ाए जाते। भविष्य को जड़ों से जोड़िये, विरासत का मतलब बैंक बैलेंस या जमीन का टुकड़ा नहीं होता। असल विरासत वह है जो स्मृति में रहती है, जो हमारे आचरण में झलकती है, जो खून में बहती है। एक रेसिपी, एक लोरी, एक कथा, एक संस्कार, यही वो अथाह दौलत है जो कभी खर्च नहीं होती। बुजुर्ग से यदि यह सब सीखा जाए, तो हमारे बच्चे सिर्फ 'खोखले आधुनिक' नहीं बनेंगे। वे ऐसे आधुनिक इंसान बनेंगे जिनके पास उड़ने के लिए तकनीक के पंख तो होंगे, लेकिन जमीन पर टिके रहने के लिए संस्कारों की मजबूत जड़ें भी होंगी। वे 'स्मार्ट' भी होंगे और 'संवेदनशील' भी।

याद रखिए कि यादें अपने आप नहीं मिटतीं, उन्हें मिटा देती है हमारी व्यस्तता और उपेक्षा। यादों को थामने वाला हाथ चाहिए। आज वही कांपते हुए हाथ हमारे बुजुर्गों के हैं, जो बड़ी आस से हमारी तरफ देख रहे हैं। उन्हें सहारे की उतनी जरूरत नहीं है, जितनी की 'सुनवाई' की है। जो हाथ आज थाम लिया जाएगा, वही संस्कार आगे जाएगा। उनकी झुर्रियों में लिखा इतिहास पढ़ने की कोशिश कीजिए, उनके कांपते हाथों की दुआएँ बटोर लीजिए। इससे पहले कि वह कांपती आवाज हमेशा के लिए खामोश हो जाए और वह कुर्सी खाली हो जाए, अपनी विरासत को सहेज लीजिए। क्योंकि खाली कुर्सियां किस्से नहीं सुनातीं, बस खामोश रह जाती हैं।

अकादमी सम्मान की रुकी हुई घोषणा

सचिव का इंतजार था जो संस्कृति मंत्रालय में निदेशक भी हैं।अकादमी सम्मान घोषित होने थे । इंतजार सिर्फ एक घोषणा का नहीं था , उस व्यवस्था का था जो कहती है कि साहित्य स्वायत्त है । देश दुनियां में साहित्य के मेरे जैसे जागरूक पाठक , सुधी रचनाकार , साहित्यिक पत्रकार सब इंतजार करते रह गए और कोई ब्यूरोक्रेट गले में आई कार्ड डाले हाल में आया , दबी जुबान में कह गया कि आज घोषणा नहीं होगी । शब्द सहम जाते हैं,दृश्य किसी रंगमंच का लगता है, पर है देश की साहित्य अकादमी का। काना फूसी है ऊपर से आदेश आया दो नाम जोड़ो किसी ने कहा जूरी और सरकार में टकराव हुआ है, किसी ने कहा नाम तय है पर घोषणा रुकी है। इस सारी गासिप में सच्चाई कहीं बीच में छिपी बैठी जरूर होगी पर उसे कुर्सी नहीं मिली, और सब हाल की कुर्सियां खाली होते देखते रहे।

जिस हाल में कैमरे सज चुके हों , सवालों की फेहरिस्त तैयार हों और समय की सुई प्रेस कांफ्रेंस के तय समय पर अटक गई हो,वहां पर्दा उठने से पहले ही गिरा दिया गया और दर्शक तालियां बजाने के बजाय सिर खुजाते हाल से बाहर निकलने के लिए मजबूर हुए। साहित्य अकादमी के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि न प्रेस कांफ्रेंस हुई न प्रेस रिलीज जारी की गई। पत्रकार घर लौट आया पर खबर वहीं की वहीं अटकी रह गई। भीतर क्या हुआ यह कोई बताने को तैयार नहीं पर बाहर बैठे हर आदमी को पता है कि भीतर कुछ न कुछ जरूर हुआ है। मंत्री जी, सफेद शर्ट वाले आका जी , बड़े प्रकाशक, कोई ना कोई तो है जो घोषणा रोकने की ताकत रखता है। सरकारी गलियारों की यह खासियत होती है कि वहां जब कुछ नहीं होता तब भी भीतर ही भीतर बहुत कुछ हो रहा होता है और जब बहुत कुछ होता है तब भी उसे कुछ भी नहीं कहा जाता। सवाल है कि इस उठापटक के बाद जो पुरस्कार घोषित होंगे , उन्हें सम्मान कहा जाए या जुगाड़ , प्रेशर पॉलिटिक्स या प्रतिभा,कलम का अपमान अथवा समझौता, उपलब्धि या अनुकंपा।

साहित्य का मौलिक स्वभाव प्रश्न करना है पर पुरस्कार का स्वभाव अक्सर चुप करा देना होता है। जो कल तक व्यवस्था की विसंगतियों पर कलम चलाता था आज उसी व्यवस्था की चुप्पी पर मौन साध ले तो आम पाठक के भीतर का आदमी सरे आम ठगा ठगा सा रह जाता है। यह वह बिंदु है जहां व्यंग्य जन्म लेता है , और रोता नहीं हंसता है ताकि रोने की आवाज कहीं दब न जाए। नोबेल पुरस्कार की राजनीति की बातें अब फुसफुसाहट नहीं रहीं। साम दाम दंड भेद के सूत्र वहां भी खुली किताब की तरह पढ़े जा रहे हैं। जब विश्व का सबसे प्रतिष्ठित मंच भी सत्ता समीकरणों से अछूता नहीं तो अपने यहां के छोटे बड़े मंचों से मासूमियत की उम्मीद करना बाल सुलभ ही है। उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के सम्मान , पुरस्कार वर्षों से लंबित हैं और फाइलें धूल खा रहीं हैं। सम्मान अब महज योग्यता का नहीं धैर्य का इम्तहान भी बन गये है। इस पूरी कथा में सबसे रोचक यह है कि सबको सब पता है पर कोई कुछ नहीं जानता। यह अनभिज्ञता नहीं एक संस्थागत अभिनय है। जब अकादमी जैसे मंच पर प्रेस कांफ्रेंस का रद्द होना एक रहस्य बने , तो समझ लेना चाहिए कि साहित्य से ज्यादा राजनीति और साहित्य की जुगलबंदी की गोपनीयता फलफूल रही है। समाधान क्या है? समाधान वही पुराना है। पुरस्कारों की प्रक्रिया को सार्वजनिक किया जाए , जूरी की राय को संक्षेप में सामने रखा जाए , सरकार का दखल अगर है तो उसे स्वीकार कर,स्पष्ट वैधानिक नामांकन नीति बनाई जाए ताकि पर्दे के पीछे की फुसफुसाहट मंच के खुले संवाद में बदल सके। और सबसे जरूरी यह कि लेखक पुरस्कार को अंतिम सत्य न माने बल्कि पाठक को ही अपना स्थायी निर्णायक समझे। व्यंग्यकार के लिए यह समय उपजाऊ है क्योंकि विसंगति खुलेआम मुस्कुरा रही है। यह पूरा प्रसंग किसी प्रहसन से कम नहीं जहां पात्र गंभीर हैं, संवाद गुप्त हैं और मंच पर अंधेरा है। फर्क बस इतना है कि यहां शो के प्रवेश पत्र पाठक ने, लेखकों ने और साहित्य प्रेमियों ने ले रखे हैं पर शो रद्द कर दिया गया है। ऐसे में हंसी ही बचाव है और सवाल ही उम्मीद है। साहित्य अगर जीवित है तो वह इन रहस्यों पर हंसेगा भी और उन्हें उजागर भी करेगा। यही साहित्य की सदा से जिद रही है ,यही उसका दायित्व भी है।

(विवेक रंजन श्रीवास्तव - विनायक फीचर्स)

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर द्वारा एमडीआर-टीबी रोगियों को उच्च-प्रोटीन पोषण पैकेट वितरण का पांचवां चरण संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर की ओर से मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी (एमडीआर) रोगियों के लिए उच्च-प्रोटीन पोषण पैकेट वितरण का पांचवां चरण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। यह कार्यक्रम शनिवार 20 दिसंबर 2025 को सुबह 9 बजे बोईसर शहर अंतर्गत स्थित इच्छापूर्ति श्री राम मंदिर परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें 30 एमडीआर-टीबी रोगियों को पोषण पैकेट वितरित किये गये।

कार्यक्रम इन्स्पायर प्रेसिडेंट रोटेरियन रामनारायण गोयल के नेतृत्व में प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर रोटेरियन डॉ. पराग कुलकर्णी तथा प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन विनायक पद्मवार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्लब सेक्रेटरी रोटेरियन शैलेश अग्रवाल, रोटेरियन ओमप्रकाश मिश्रा तथा टीबी हेल्थ ऑफिसर अमित जाधव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि टीबी एक दीर्घकालिक बीमारी है, जिसमें इलाज का पूरा कोर्स अत्यंत आवश्यक होता है। एमडीआर-टीबी की स्थिति में दवाइयों का उपचार छह महीने या उससे अधिक समय तक चलता है, और कई बार रोगियों को गंभीर स्थिति के कारण अस्पताल में भर्ती भी करना पड़ता है। ऐसे में

दवाओं के साथ-साथ पौष्टिक एवं प्रोटीन युक्त आहार रोगियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर का यह प्रयास उल्लेखनीय है। क्लब द्वारा प्रत्येक माह नियमित रूप से 30 एमडीआर-टीबी रोगियों को प्रोटीन युक्त खाद्य सामग्री वितरित की जा रही है, जिससे उपचार के दौरान रोगियों को आवश्यक पोषण मिल सके। इस सेवा कार्य को भागेरिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड तथा रोटेरियन डॉ. दिगंबर जे. झावर, मारुति रघुनाथ कदम, रोटेरियन राकेश आचार्य, रोटेरियन अनिल जगदाले, रोटेरियन अमित महाजन, पीपी रोटेरियन विनायक पद्मवार, रोटेरियन सुनील साल्वी, रोटेरियन कमलेश हंबिरे और रोटेरियन विनोद पाटणकर के अनुदान से संभव बनाया गया। इन्स्पायर प्रेसिडेंट रामनारायण गोयल ने सभी सहयोगकताओं, अतिथियों और रोगियों का आभार व्यक्त करते हुए रोगियों को समय पर दवाइयां लेने और संतुलित, पौष्टिक भोजन करने की सलाह दी। वहीं डॉ. पराग कुलकर्णी और टीबी हेल्थ ऑफिसर अमित जाधव ने रोगियों को संबोधित करते हुए टीबी से शीघ्र उबरने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी और सभी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने दिसंबर के लिए विशेष ईएमआई ऑफर्स लॉन्च किए

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी), भारत की अग्रणी ऑटोमोबाइल निमार्ता कंपनी, ने दिसंबर महीने के लिए आकर्षक मासिक ईएमआई योजनाओं की घोषणा की है। टियागो पर ईएमआई 4,999 रुपए प्रति माह से शुरू होकर कर्व.ईवी पर 14,555 रुपए प्रति माह तक उपलब्ध है। साल के अंत से पहले अपनी पसंदीदा टाटा कार घर लाने का यह बेहतरीन अवसर है। उपलब्ध मॉडलों पर विशेष ईएमआई की जानकारी इस प्रकार है। आईसीई श्रेणी में टिएगो को 4,999 रुपये की शुरूआती ईएमआई पर उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि टिगोर और पंच दोनों मॉडल 5,999 रुपये की ईएमआई पर मिलेंगे। अल्ट्रोज की ईएमआई 6,777 रुपये रखी गई है, नेक्सॉन 7,666 रुपये की ईएमआई पर और कर्व 9,999 रुपये की ईएमआई पर उपलब्ध है। वहीं ईवी सेगमेंट में टिगोर.ईवी 5,999 रुपये की ईएमआई पर, पंच.ईवी 7,999 रुपये की ईएमआई पर, नेक?सॉन.ईवी 10,999 रुपये की ईएमआई पर और कर्व.ईवी 14,555 रुपये की ईएमआई पर उपलब्ध है।

रियल एस्टेट शहरी कायाकल्प और आर्थिक उन्नति का प्रमुख आधार: श्री अमित शाह

मुंबई। नीतिगत संवाद और रणनीतिक साझेदारियों के साथ क्रेडाई नेशनल कॉन्क्लेव की शुरूआत हुई। उद्घाटन सत्र की शोभा भारत सरकार के माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बढ़ाई। उनके साथ कई केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्र व राज्य सरकारों के आला अधिकारी भी मौजूद रहे। इस मौके पर गृह मंत्री ने क्रेडाई की 'पारिस्थितिक वनीकरण एवं बहाली' पहल को लॉन्च किया। इस मुहिम के तहत महाराष्ट्र के नासिक जिले (पश्चिमी घाट) की सह्याद्रि पहाड़ियों में बसे 25 से अधिक गांवों की 9,000 एकड़ जमीन को फिर से हरा-भरा बनाया जाएगा। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा, ह्वरियल एस्टेट भारत के शहरी कायाकल्प और आर्थिक उन्नति का एक प्रमुख आधार है। बीते दस वर्षों में हमारी सरकार ने स्पष्ट नीतियों, नियामक सुधारों और दूरदर्शी योजना के बल पर शहरी विकास को मजबूत बनाया है, जो विकसित भारत @2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ता एक कदम है। उन्होंने क्रेडाई की सराहना करते हुए कहाँ कि क्रेडाई ने जिम्मेदार विकास की कमान संभाली है, खासकर उनकी 9,000 एकड़ की 'इकोलॉजिकल रिस्टोरेशन' पहल काबिले-तारीफ है। आज जब भारत विश्व-स्तरीय और समावेशी शहरों की ओर बढ़ रहा है, तो डेवलपर्स की यह जिम्मेदारी है कि वे अपनी हर परियोजना में पौधारोपण, सस्टेनेबिलिटी, कौशल विकास और सस्ते घरों को प्राथमिकता दें। क्रेडाई के राष्ट्रीय सम्मेलन के भव्य शुरूआत के मौके पर वरिष्ठ नीति निमार्ता, राज्यों के प्रतिनिधि और रियल एस्टेट जगत की बड़ी हस्तियां एक मंच पर आए। सम्मेलन के दौरान भारत की शहरी प्रगति और आर्थिक विकास में इस सेक्टर की बदलती भूमिका पर गहन मंथन हुआ। साथ ही, इस बात पर जोर दिया गया कि 'विकसित भारत @2047' के सपने को पूरा करने और समावेशी शहर बसाने में रियल एस्टेट की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।

भारत सरकार के माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, श्री भूपेंद्र यादव ने कहा, मैं क्रेडाई की सामाजिक सरोकार से जुड़ी पहलों और पर्यावरण के प्रति उनकी गंभीरता की सराहना करता हूँ। रियल एस्टेट सेक्टर सिर्फ घर या दफ्तर ही नहीं बनाता, बल्कि लॉजिस्टिक्स पार्क्स और शहरी नवीनीकरण के जरिए रोजगार के नए अवसर और बेहतर जीवन स्तर भी सुनिश्चित करता है। प्रधानमंत्री जी के ह्वविकसित भारत @2047 के सपने को पूरा करने के लिए तरक्की और पर्यावरण की सुरक्षा को साथ लेकर चलना होगा। पर्यावरणीय मंजूरियों को आसान बनाने के साथ-साथ यदि यह सेक्टर ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण और वेस्ट मैनेजमेंट पर ध्यान दे, तो हम आने वाली पीढ़ियों के लिए भविष्य के अनुकूल शहर बना पाएंगे। क्रेडाई के नेशनल प्रेसिडेंट श्री शेखर पटेल ने कहा, क्रेडाई नेशनल कॉन्क्लेव सरकारी नीतियों को उद्योग जगत के धरातल पर उतारने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। वरिष्ठ मंत्रियों और राज्यों के नेताओं के साथ हुए संवाद से यह स्पष्ट है कि पारदर्शी नियमों, टिकाऊ शहरी नियोजन और तकनीक आधारित विकास की आज बड़ी दरकार है। गोवा-आईडीसी और आईआईएचएस के साथ किए गए रणनीतिक समझौते इस बात का प्रमाण हैं कि हम सिर्फ चर्चा नहीं कर रहे, बल्कि उसे ठोस जमीन पर उतार रहे हैं। ये कदम नए विचारों को सींचेंगे, निवेश का माहौल बनाएंगे और भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र में 'जिम्मेदार तरक्की' को बढ़ावा देंगे। हमारा वादा है कि विकास सिर्फ रफ्तार तक सीमित न रहे, बल्कि वह स्मार्ट, सबको साथ लेकर चलने वाला और प्रकृति के अनुकूल हो।

आंध्र प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, श्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा, हैदराबाद में 'इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस' की स्थापना इसलिए संभव हो सकी क्योंकि हमने एक सहयोगी नीतिगत माहौल तैयार किया और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर जोर दिया। क्रेडाई नेशनल कॉन्क्लेव जैसे आयोजन सरकार और उद्योग जगत के बीच दूरियां पाटने और सहयोग बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। मैं सभी डेवलपर्स और संस्थानों को आंध्र प्रदेश आने का न्योता देता हूँ। हम आपको जमीन, बेहतर नीतियां और एक पारदर्शी सिस्टम देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, ताकि हम मिलकर टिकाऊ और समावेशी विकास की नई कहानी लिख सकें। सम्मेलन के पहले दिन का मुख्य फोकस आवास, नवाचार और सहयोगी शासन के जरिए भारत के शहरी कायाकल्प को गति देने पर रहा। गुजरात, मध्य प्रदेश, हरियाणा और तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्यों में विकास की प्राथमिकताओं और प्रशासनिक सुधारों के अनुभवों को साझा किया। आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने क्रेडाई के नेतृत्व के साथ इस बात पर मंथन किया कि नीतियों को कैसे सरल बनाया जाए और शहरों के बुनियादी ढांचे के भविष्य को कैसे संवारा जाए।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की लिंचिंग पर भड़के अबू आजमी

मुंबई। समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने शनिवार को बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि अगर कोई किसी के साथ कुछ गलत करता है, तो उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। हालांकि, आजमी ने भारत में अल्पसंख्यकों के लिए न्याय की मांग करते हुए आरोप लगाया कि जिन मुसलमानों ने आजादी के लिए लड़ाई लड़ी, उन्हें अब देशद्रोही कहा जा रहा है।

पत्रकारों से बात करते हुए अबू आजमी ने कहा कि चाहे हिंदू हो या मुसलमान, अगर कोई किसी के साथ कुछ गलत करता है, तो उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए... चाहे कहीं भी हो, जिसके साथ भी हो, हमें इसकी निंदा करनी चाहिए, लेकिन क्या मुझे पहले अपने देश में हो रही घटना की निंदा नहीं करनी चाहिए?

आजमी ने कहा कि मेरे देश में, जिनके लिए मुसलमानों ने आजादी के लिए लड़ाई लड़ी और जिन्होंने कभी देश के साथ विश्वासघात नहीं किया, उन्हें अब देशद्रोही कहा जा रहा है... यह किस तरह का न्याय है?

आम आदमी पार्टी के ठाणे जिला सचिव का कांग्रेस पार्टी में प्रवेश

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने कांग्रेस में प्रवेश किया है। कांग्रेस के कल्याणझ्रडोंबिवली जिला अध्यक्ष राजाभाऊ पाटकर के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के ठाणे जिला सचिव अजीत सिंह व उनके साथियों ने कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया।

इस अवसर पर कांग्रेस के प्रभारी राजन भोसले, प्रदेश सचिव नवीन सिंह, महिला जिला अध्यक्ष कांचन कुलकर्णी, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष सलीम शेख, मोहने-टिटवाला अध्यक्ष राजेश वाघमारे तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। कल्याणझ्रडोंबिवली में संपूर्ण 31 पैनलों में उम्मीदवार खड़े करने की तैयारी को लेकर कांग्रेस की ओर से तैयारी शुरू है, साथ ही गठबंधन को लेकर अन्य पार्टियों के साथ बातचीत भी जारी है, ऐसा कांग्रेस के प्रभारी राजन भोसले ने कहा।

कोकणेर में कृषि विभाग ने बनाया वनराई बांध, जल संरक्षण से किसानों को मिलेगा लाभ

पालघर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण के माध्यम से खेती को मजबूती देने के उद्देश्य से कृषि विभाग, जिला परिषद पालघर की पहल पर ग्राम पंचायत कोकणेर, तहसील पालघर में वनराई बंधारे का सफल निर्माण किया गया। इस उपक्रम का मुख्य उद्देश्य वर्षा ऋतु में बहकर जाने वाले पानी को रोककर उसका स्थानीय स्तर पर उपयोग सुनिश्चित करना है।

वनराई बंधारे के निर्माण से वर्षा जल का संचयन होगा और वह जमीन में रिसकर भूजल स्तर को बढ़ाने में सहायक बनेगा। इससे कुओं, बोरवेल तथा अन्य जलस्रोतों में पानी की उपलब्धता बढ़ेगी, जिसका सीधा लाभ किसानों को

मिलेगा। इस कार्य को जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी, तहसील कृषि अधिकारी स्मिता पाटील के मार्गदर्शन में जिला परिषद पालघर व पंचायत समिति के कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, ग्राम पंचायत सदस्य, सरपंच, आशा वर्कर, स्थानीय किसान एवं ग्रामवासियों के सामूहिक सहयोग से सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

वनराई बंधारे कम लागत वाले, पर्यावरण के अनुकूल व प्रभावी जल संरक्षण के साधन माने जाते हैं। इनके माध्यम से रबी व ग्रीष्मकालीन मौसम में भी पानी की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। साथ ही मिट्टी के कटाव पर रोक लगेगी और भूमि की उर्वरता बनी रहेगी।

इस पहल से कोकणेर ग्राम पंचायत के किसानों में संतोष व्यक्त किया जा रहा है और जिला परिषद पालघर की जल संरक्षण एवं सतत कृषि नीति को स्थानीय स्तर पर सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। कृषि विभाग ने जिले की अन्य ग्राम पंचायतों से भी ऐसे वनराई बंधारे बनाकर जल प्रबंधन में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया है।

लोकसभा सचिवालय के उपसंचालक साई शेट्टी को पीएचडी की उपाधि मिलने पर मिल रही बधाईयां

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के मानसरोवर निवासी दिनेश शेट्टी के सुपुत्र साई उल्का दिनेश शेट्टी जो दिल्ली में लोकसभा सचिवालय में उपसंचालक के पद पर कार्यरत रहते हुये साई उल्का दिनेश शेट्टी को सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल द्वारा पीएचडी की उपाधि दी है। साई शेट्टी ने डा.आशा लक्ष्मी बी.एस.के मार्गदर्शन में पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड पालिसी स्टडीज पर अपना प्रपोजल यूनिवर्सिटी में जमा किया था। उनके सम्मान में सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ केरल ने 17 दिसंबर को केरल में आयोजित एक समारोह में कर्नाटक यूनिवर्सिटी धारवाड़ के स्कूल ऑफ सोशल

साइंसेज के डीन प्रो. एस. एस. पटागुंडी की मंजूरी से यह पीएचडी डिग्री मंजूर की गई है।

बतादें कि साई शेट्टी भिवंडी में अपनी प्राथमिक और हायर सेकेंडरी की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने सिम्बायोसिस कालेज पुणे से ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने दिल्ली में भारत सरकार की संसदीय परीक्षा में सफलता हासिल की और लोकसभा सचिवालय में उप संचालक का पद संभाला। उनकी इस सफलता के बाद भिवंडी वासियों और बंट संघ मुंबई के कई शुभचिंतकों ने साई शेट्टी को बधाई दे रहे हैं।

मिठाई लाल सिंह की स्मृति में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मिठाई लाल सिंह की पुण्य स्मृति में आर्य समाज, माटुंगा के तत्वावधान में आयोजित अंतरविद्यालयीन कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन दिनांक 19 दिसंबर को प्रातः 8.30 बजे श्री दयानंद विद्यालय एवं ग्लोबल विजडम एस० डी० स्कूल, कांदिवली (पश्चिम) के खेलकूद मैदान में सम्पन्न हुआ।

प्रतियोगिता का शुभारंभ बोरीवली के लोकप्रिय भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रख्यात शिक्षाविद अम्बरीष दुबे (चेयरमैन,रुद्रा इंटरनेशनल स्कूल, मिर्जापुर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में दीपक बाला तावड़े (जिला उत्तर मुंबई), वरिष्ठ नगरसेवक कमलेश यादव , श्रीकांत कवठंकर (पूर्व नगरसेवक), प्रताप बैंक के चेयरमैन एवं आर्य समाज माटुंगा के महामंत्री चंद्रकुमार सिंह, समारोह अध्यक्ष अरुण कुमार अबरोल तथा कार्यक्रम की संयोजिका एवं आर्य समाज, माटुंगा की अध्यक्ष श्रीमती सुमिता सुमन सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष श्रीमती सुमिता सुमन सिंह जी एवं महामंत्री चंद्रकुमार सिंह द्वारा सभी गणमान्य अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर भव्य सम्मान किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन उमेश प्रताप सिंह ने किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील कुमार सिंह एवं श्रीमती रेणुसिंह चौधरी द्वारा कमेंटेटर एवं रेफरी महोदय का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय प्रशासन, शिक्षकगण, स्वयंसेवक एवं आर्य समाज माटुंगा के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महेश गायकवाड़ के हाथों आपला कल्याण महोत्सव का उद्घाटन

सांस्कृतिक और धार्मिक कलाकृतियों का मेला

कल्याण (उत्तरशक्ति)। हर साल की तरह कल्याण पूर्व में आपला कल्याण महोत्सव का शानदार आयोजन किया गया है। शिवसेना के संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़ के हाथों आपला कल्याण महोत्सव का उद्घाटन भव्य रूप से संपन्न हुआ। उद्घाटन के अवसर पर कलाकारों ने विविध सांस्कृतिक और धार्मिक कलाकृतियों की प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें महादेव को प्रसन्न करने वाला अघोरी नृत्य और गंगा आरती विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इस वर्ष कल्याण महोत्सव में उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ धाम की हूबहू झांकी साकार की गई है। महोत्सव में प्रतिदिन गंगा आरती का अनुभव लिया जा सकेगा। वहीं गुलाबी साड़ी फेम गायक संजू राठौड़, सैराट फेम आर्ची उर्फ रिंकू राजगुरु और अभिजीत कोसंबी सहित कई दिग्गज कलाकार महोत्सव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इसके साथ ही खाने के शौकीनों के लिए विविध खाद्य पदार्थों के स्टॉल लगाए गए हैं। बच्चों के लिए झूलों सहित अनेक खेलों की व्यवस्था की गई है। युवा पीढ़ी, महिला नागरिकों और वरिष्ठ नागरिकों

के लिए प्रतिदिन सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों की भरमार देखने को मिलेगी। आपला कल्याण महोत्सव राज्य को एक संदेश देने वाला सांस्कृतिक कार्यक्रम है, ऐसा इस महेश गायकवाड़ ने कहा। इस अवसर पर आपला कल्याण महोत्सव के अध्यक्ष प्रशांत बोटे, उपाध्यक्ष शिवदास गायकवाड़, कृष्णा पाटील, सुमेध हुमणे, चैनू जाधव, माजी नगरसेवक शरद पावशे, मनोज बेलमकर, मीना बेलमकर, बाबा तिवारी, श्वेता पांडे, महादेव रायभोले,प्रकास तरे, मधुर म्हात्रे,सहित अन्य मान्यवर बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका आयुक्त ने आम चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों को दिया चुनावी निर्देश

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा आम चुनाव 2025-26 के संबंध में मनपा आयुक्त और चुनाव अधिकारियों ने सभी राजनीतिक दलों की एक बैठक आयोजित किया जिसमें आचार संहिता के साथ बैनर पोस्टर आदि के साथ चुनाव में होने वाले खर्च आदि के संबंध में मार्गदर्शन किया । बतादें कि इस बैठक में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, चुनाव अधिकारी, पुलिस विभाग और महानगरपालिका के अधिकारी उपस्थित थे। उक्त बैठक में आयुक्त ने चुनाव अवधि के दौरान सभी राजनीतिक दलों को महानगरपालिका क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या, कुल केंद्रों की संख्या, आवश्यक अनुमति, सोशल मीडिया, प्रचार प्रसार के संबंध में मार्गदर्शन दिया। खर्च के बारे में जानकारी देते हुए आयुक्त ने सभी राजनीतिक दलों को सूचित किया कि उम्मीदवार की खर्च सीमा 9 लाख रुपये तक तय की गई है और सभी उम्मीदवारों को चुनाव खर्च के लिए एक नया खाता खोलना होगा और चुनाव कार्य पर होने वाले खर्च का भुगतान उनके खाते से करना होगा। साथ ही चुनाव खर्च का भुगतान डीडी में करना होगा। या चेक या ऑनलाइन नकद खर्च नहीं किया जा सकता है। आयुक्त ने सभी राजनीतिक दलों को चुनाव अवधि के दौरान, मनपा क्षेत्र में

मतदाताओं की संख्या, कुल केंद्रों की संख्या, आवश्यक अनुमति, सोशल मीडिया और कैसे आगे बढ़ना है, इस संबंध में मार्गदर्शन दिया। अतिरिक्त आयुक्त और नोडल अधिकारी आचार संहिता विठ्ठल डाके ने मौजूद पॉलिटिकल पार्टियों के प्रतिनिधियों को इस बारे में डिटेल में जानकारी दी। उम्मीदवार आचार संहिता का उल्लंघन न करें, सामाजिक शांति भंग न करें और चुनाव के काम में रुकावट न डालें, यह पक्का करने के लिए नगर निगम लेवल पर एक कमेटी बनाई गई है जो उम्मीदवार से मिले हर विज्ञापन और स्क्रिप्ट को वेरिफाई करेगी। कमेटी की मंजूरी के बाद ही होने वाले उम्मीदवार को मीडिया के जरिए बताए गए कैंपेन मटीरियल को फैलाना चाहिए। आम चुनाव 2025-26 के लिए अलग-अलग परमिशन लेने के लिए नगर निगम की मुख्य एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग के ग्राउंड फ़्लोर पर सिंगल विंडो स्कीम लागू की गई है। सिंगल विंडो में मिलने वाले एप्लीकेशन पर मिलने के क्रम (पहले आओ पहले पाओ) के हिसाब से कार्रवाई की जाएगी। कैंपेन मीटिंग, जुलूस और दूसरे प्रोग्राम के लिए जरूरी परमिशन पॉलिटिकल पार्टी या उम्मीदवार को सिंगल विंडो स्कीम के तहत लेनी चाहिए और ऐसा न करने पर आचार संहिता के उल्लंघन का केस दर्ज किया जाएगा। पुलिस उपायुक्त सचिन सांगले ने पॉलिटिकल पार्टियों को बताया कि पॉलिटिकल पार्टियों या उम्मीदवार को रात 10:00 बजे तक मीटिंग या जुलूस निकालने की इजाजत होगी। इसके साथ ही शोर की भी एक तय लिमिट होगी। जुलूस के दौरान सिर्फ 10 गाड़ियों की इजाजत होगी, जिसमें से सिर्फ.3 फोर-व्हीलर और 7 टू-व्हीलर की इजाजत दी गई है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

फर्जी दारोगा बनकर शादी व ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

दहेज व नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी, पुलिस वर्दी व कूटरचित दस्तावेज बरामद

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना निजामाबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी उप-निरीक्षक बनकर शादी करने और ठगी करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के कब्जे से उप-निरीक्षक की वर्दी, फर्जी पहचान पत्र, कूटरचित नियुक्ति व ज्वाइनिंग लेटर सहित कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुवन कुमार सिंह तथा क्षेत्राधिकारी सदर आस्था जायसवाल के पर्यवेक्षण में की गई। थाना निजामाबाद क्षेत्र निवासी पीड़िता काजल यादव ने 04 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई थी कि

आरोपी प्रदीप यादव ने स्वयं को पीएसी सिपाही/उप-निरीक्षक बताकर 16 फरवरी 2022 को उससे विवाह किया। विवाह के दौरान करीब 8 लाख रुपये नकद, सोने के आभूषण और घरेलू सामान दहेज में लिया गया। बाद में अतिरिक्त दहेज और वाहन की मांग को लेकर पीड़िता को प्रताड़ित किया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि आरोपी ने वढरक 2023 में चयन का झांसा देकर मेडिकल के नाम पर एक लाख रुपये और वसूल लिए। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी का पुलिस विभाग से कोई संबंध नहीं है। मामले में थाना निजामाबाद पर मुकदमा दर्ज किया गया। न्यायालय द्वारा आरोपी के विरुद्ध गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। शनिवार को सूचना मिली कि अभियुक्त पुलिस वर्दी पहनकर पीड़िता को धमकाने आया है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी प्रदीप यादव पुत्र मोतीलाल यादव, निवासी ग्राम मड़ना, थाना अहरौला को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अच्छी शादी और धन लाभ के लालच में फर्जी सिपाही व उप-निरीक्षक के पहचान पत्र और नियुक्ति पत्र बनवाए थे। वह प्रयागराज में किराए के कमरे में रहकर पुलिस वर्दी पहन लोगों को गुमराह कर ठगी करता था। बरामदगी में फर्जी पुलिस पहचान पत्र, ज्वाइनिंग लेटर, उप-निरीक्षक की पूरी वर्दी, आधार व पैन कार्ड, एटीएम/डेबिट कार्ड, मोबाइल फोन, नकद 1117 सहित अन्य सामग्री शामिल हैं।

प्रजापति समाज ने भाजपा के नए जिलाध्यक्ष का किया स्वागत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति का प्रजापति समाज जौनपुर द्वारा 'भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। स्थानीय नगर के एक होटल, वाजिदपुर में आयोजित कार्यक्रम में हजारों की संख्या में प्रजापति समाज के लोगों ने भाग लिया।समारोह को सम्बोधित करते हुए नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी ने एक साधारण कार्यकर्ता पर जो भरोसा जताया है, मैं उस पर पूर्ण रुपेण खरा उतरने का प्रभास करूँगा। मुझे पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसका निर्वाहन निष्ठापूर्वक कार्यकर्ताओं के सह?योग से ही करूंगा। उन्?होंने यह भी कहा कि मैं पहले भी कार्यकर्ता था और आगे भी कार्यकर्ता के रूप में कार्य करूँगा। उन्होंने प्रजापति समाज के लिए, कहा कि भाजपा सरकार में समाज के किसी भी व्यक्ति का शोषण नहीं होने दिया जोगगा। सभी लोगों का सम्मान किया जायेगा। साथ ही उन्होंने मतदाता प्रभार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (रक्क) में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।कार्यक्रम का सफल संचालन मछलीशहर के जिला मंत्री डा० महेन्द्र प्रजापति ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रजापति समाज के जिलाध्यक्ष राहुल प्रजापति, महासचिव धर्मेन्द्र प्रजापति, मोहनलाल प्रजापति, रामपलट प्रजापति, लालजीत प्रजापति, पवन कुमार प्रजापति, गिरीश

चन्द्र प्रजापति, सभासद बसन्त प्रजापति, वीरेंद्र प्रजापति दक्ष सेना, जनार्दन प्रजापति दक्ष आर्मी, मोहित प्रजापति, एडवोकेट कमला शंकर, विक्लेश प्रजापति, जियालाल प्रजापति, पुजा चन्?द्र प्रजापति, डा० प्रशांत कुमार प्रजापति, अंजनी प्रजापति, नेता विनोद प्रजापति, डा० आर०के० चक्रवर्ती, आदि के साथ हजारों की संख्?या में प्रजापति समाज के लोग उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अन्त में जिलाध्यक्ष राहुल प्रजापति ने जनपद के कोने-कोने से आये हुए लोगों का आभार व्यक्त करते हुए, धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि यह एकता समाज के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है।

जमीन विवाद में जानलेवा हमला, फावड़े से सिर फोड़कर युवक को किया अधमरा

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के कन्हौली गांव में जमीन विवाद को लेकर दबंगों ने एक परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोप है कि कि बैनामे की जमीन पर जबरन कब्जा करने से मना करने पर दबंगों ने फावड़े और लाठी-डंडों से हमला कर युवक का सिर फोड़ दिया। गंभीर हालत में घायल को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरो ने बीएचयू ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया जहां उसका इलाज चल रहा है।

पीड़ित दिनेश चन्द्र यादव के अनुसार उसके गांव के मनोज यादव, उसकी पत्नी ऊषा देवी और बेटे सूरज, नीरज व धीरज लंबे समय से उसकी बैनामे की जमीन पर कब्जा करना चाहते थे।आरोपित एकराय होकर पीड़ित की जमीन पर निर्माण कराने लगे। जब पीड़ित के भाई संतोष यादव ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में चल रहा इलाज, आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आरोप है कि इसी दौरान सूरज यादव ने फावड़े से संतोष के सिर पर जोरदार वार कर दिया, जबकि अन्य आरोपियों ने लात-घूंसे और लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। हमले में संतोष गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गया। घटना को गांव के अरविंद, आशीष और पीड़ित के पिता हीरालाल ने देखा।

घायल को पहले सरकारी अस्पताल केराकत ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सीटी स्कैन व एक्स-रे में सिर की हड्डी में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर वाराणसी भेज दिया। पीड़ित परिवार ने लिखित तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज गिरफ्तारी में लगी है।

असलहा व धारदार हथियार लेकर घर में घुसे नकाबपोश बदमाश, महिला व परिजनों को पीटकर किया घायल

दो दर्जन बदमाशों ने घर में घुसकर मचाया तांडव, जान से मारने की दी धमकी

मो.असलम खान

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील अंतर्गत थाना गौराबादशाहपुर क्षेत्र के लूरखुरी (जमुआरी) गांव में शुक्रवार की रात दबंगों का खौफनाक चेहरा सामने आया। करीब दो दर्जन नकाबपोश बदमाश असलहा व धारदार हथियार लेकर एक घर में घुस गए और महिलाओं सहित पूरे परिवार को बेरहमी से पीटा। इस हमले में कई लोग घायल हो गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

पीड़िता प्रभावती देवी ने बताया कि शुक्रवार की रात करीब 9:30 बजे गांव के ही निवासी विजय यादव पुत्र स्व. लालबहादुर यादव, रामचंद्र यादव पुत्र स्व. संता यादव तथा अजय यादव पुत्र रामचंद्र यादव की साजिश में यह हमला किया गया। आरोप है कि उक्त लोगों ने लगभग दो दर्जन नकाबपोश बदमाशों को भेजा, जिन्होंने घर में घुसते ही मां-बहन की भद्दी-भद्दी गालियां दीं और जमकर तोड़फोड़ मचाई।

बदमाश चिल्लाते हुए कह रहे थे कि विजय यादव, अजय यादव और रामचंद्र यादव से जो टकराएगा, उसका यही हाल होगा। इसके बाद उन्होंने परिवार के सदस्यों को लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से पीटना शुरू कर दिया। पीड़िता ने बताया कि हमलावरों में एक व्यक्ति दीपक यादव पुत्र लखराज यादव को उन्होंने पहचान लिया, जो देवली (अमरा) गांव का निवासी है। आरोप है कि दीपक यादव ने पीड़िता की पोती का गमछा खींच लिया, जिससे उसकी पहचान हो सकी।

हमलावर जाते-जाते घर की लाइट तोड़ गए तथा घर में रखा खाने-पीने का सामान और मोबाइल चार्जर भी उठा ले गए। साथ ही पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इस हमले में अरविंद यादव, दिवाकर यादव और पोती गुरुप्यारी को गंभीर चोटें आई हैं। वहीं प्रभावती देवी और उनकी बहू को भी अंदरूनी चोटें आई हैं।

पीड़िता ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है।इससे पूर्व भी उनके परिवार पर दो बार हमला हो चुका है, जिसकी शिकायत उन्होंने और उनके पुत्र रामआसरे यादव ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर की थी, लेकिन कथित ऊपरी पहुंच के चलते अब तक कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ।इसी कारण आरोपियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं और तीसरी बार इस तरह का जानलेवा हमला किया गया।

घटना की सूचना पर पीआरवी डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। इसके बाद पीड़िता व उसके परिजन थाना गौराबादशाहपुर पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षीगणों को थानाध्यक्ष का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते न तो मुकदमा दर्ज हो रहा है और न ही उनकी सुनवाई की जा रही है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की है।

भीषण ठण्ड में भी जनता से रूबरू हो रही हैं चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल, वार्ड-9 में किया जनसंपर्क

मोहल्ला सिपाह प्रथम में पूर्व प्रधानाचार्य तुफानी खॉन के परिवार से की मुलाकात, मिला आशीर्वाद

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत की चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल इन दिनों

कड़ाके की भीषण ठण्ड के बावजूद बिना रुके और बिना थके नगर के सभी वार्डों में जनसंपर्क अभियान चला रही हैं। इसी क्रम में शनिवार को उन्होंने नगर पंचायत केराकत के वार्ड संख्या-9, मोहल्ला सिपाह प्रथम में जनसंपर्क किया और लोगों की समस्याएं सुनीं।

जनसंपर्क के दौरान चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल मोहल्ला सिपाह प्रथम में स्थित पूर्व प्रधानाचार्य तुफानी खॉन के आवास पर पहुंचीं। जहॉं उनके पुत्र पूर्व सभासद एवं भाजपा नेता मोहम्मद असलम खॉन, उनके छोटे भाई समाजसेवी अमजद खॉन, बहन रोशनी खानम, फिरदौश खानम एवं गुड़िया खानम सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान चेयरमैन ने परिवार के सदस्यों का कुशलक्षेम जाना और आत्मीय बातचीत की।

इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य तुफानी खॉन एवं उनके परिवारजनों नें चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल को आशीर्वाद देते हुए पुनः केराकत नगर पंचायत का चेयरमैन बनने की शुभकामनाएं दीं। साथ ही क्षेत्र के विकास कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी नगर के सर्वांगीण विकास की अपेक्षा जताई।

चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल ने कहा कि नगर के सभी 11 वार्डों का समान रूप से विकास उनकी प्राथमिकता है और जनता के सहयोग से केराकत को और अधिक स्वच्छ, सुंदर व विकसित नगर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता से सीधा संवाद ही समस्याओं के समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन के साथ काफी संख्या में नगरवासी, समर्थक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

APCR की सशक्त पैरवी से नदीम अनवर (राजू) को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी के दालमंडी क्षेत्र में प्रस्तावित ध्वस्तीकरण एवं सड़क चौड़ीकरण की कार्रवाई से संबंधित मामले में नदीम अनवर (राजू) को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली। पहले से ही ध्वस्तीकरण पर स्थगन आदेश होने के बावजूद ज़िला प्रशासन एवं वाराणसी विकास प्राधिकरण ने वर्ष 1996 की नोटिस के आधार पर पारित 2001 के ध्वस्तीकरण आदेश पर 2025 में कार्रवाई करने का प्रयास किया। यह आदेश केवल मकान के कथित अवैध हिस्से से संबंधित था।

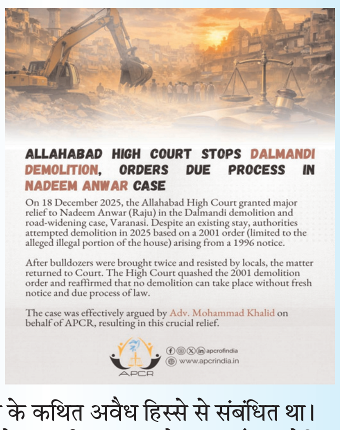

प्रशासन दो बार बुलडोजर लेकर नदीम अनवर के घर पहुँचा, लेकिन परिवार और स्थानीय लोगों के विरोध के चलते ध्वस्तीकरण नहीं हो सका। इसके बाद नदीम अनवर ने पुनः इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जहाँ न्यायालय ने 2001 के ध्वस्तीकरण आदेश को निरस्त (क्वैश) करते हुए अंतरिम राहत को बरकरार रखा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वाराणसी विकास प्राधिकरण केवल विधि के अनुसार ही कार्रवाई कर सकता है और वर्तमान कब्जाधारियों/मालिकों को नई नोटिस दिए बिना ध्वस्तीकरण नहीं किया जा सकता।

इस पूरे मामले में एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (APCR) की ओर से अधिवक्ता मोहम्मद खालिद ने पीड़ित की प्रभावी पैरवी की, जिसके परिणामस्वरूप यह महत्वपूर्ण राहत प्राप्त हुई।

बाजार जाते समय सड़क पर गिरने से 55 वर्षीय वृद्ध की मौत, क्षेत्र में शोक

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के गौसपुर मनियरा गांव निवासी 55 वर्षीय जयप्रकाश पुत्र स्वर्गीय लौटन की मंगलवार को सड़क पर गिरने से मौत हो गई। वह अपने घर से पैदल केराकत बाजार जा रहे थे। जैसे ही वह शेखज्यादा पोखरे के पास पहुंचे, अचानक असंतुलित होकर सड़क किनारे गिर पड़े। घटना को देख आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उनके ऊपर पानी का छिड़काव कर होश में लाने का प्रयास किया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस को सूचना दी। आनन-फानन में उन्हें केराकत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने देखते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार में दो पुत्र और एक पुत्री हैं। बड़ा पुत्र मुकेश कुमार एवं पुत्री का विवाह हो चुका है, जबकि छोटे पुत्र करन कुमार की शादी नहीं हुई है। दोनों पुत्र दिल्ली में रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं और परिवार का भरण-पोषण करते हैं। पिता की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। मृतक की पत्नी कमला देवी सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, लापरवाही पर दिया कड़ा संदेश

संयुक्त टीमों को मौके पर जांच कर त्वरित निस्तारण के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील सदर में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ०कौश्तुंभ ने स्वयं उपस्थित होकर फरियादियों की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनीं। जनसमस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए।

एसपी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लंबित मामलों को तय समय-सीमा में निस्तारित करने पर विशेष जोर दिया गया। राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों में संयुक्त टीमों को मौके पर भेजकर निष्पक्ष जांच कराने तथा विवादों को समय रहते सुलझाने के निर्देश दिए गए।

भूमि विवादों समेत अन्य संवेदनशील मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी चर्चा की गई। एसपी ने अधिकारियों को जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने की हिदायत देते हुए कहा कि पीड़ितों को न्याय के लिए अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े, यह सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता, क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह, राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, तहसीलदार तथा संबंधित थानों के प्रभारी निरीक्षक व थानाध्यक्ष मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में पड़े 202 प्रार्थना पत्र, 24 का निस्तारण

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी दिनेश चंद ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन्म, मृत्यु, आय एवं जाति प्रमाण पत्रों के निर्गमन में किसी प्रकार की देरी न की जाए। उन्होंने कहा कि जनपद की सभी खतौनियों में पाई जाने वाली लिपिकीय त्रुटियों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल सही कराया जाए।

जिलाधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार आधार कार्ड के आधार पर अभिलेखों में नाम संशोधन से संबंधित त्रुटियों का शीघ्र निराकरण किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में कोई बाधा न आए।

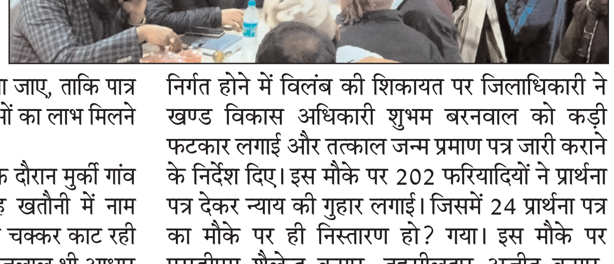

सम्पूर्ण समाधान दिवस की सुनवाई के दौरान मुर्की गांव निवासी चनौता देवी ने बताया कि वह खतौनी में नाम संशोधन के लिए डेढ़ वर्ष से तहसील के चक्कर काट रही हैं। इसी प्रकार अमिलियां गांव निवासी बृजलाल भी आधार कार्ड के अनुसार खतौनी में नाम दर्ज कराने के लिए लंबे समय से परेशान थे। जिलाधिकारी ने दोनों मामलों की मौके पर ही सुनवाई करते हुए मात्र पांच मिनट के भीतर नाम संशोधन कराकर दोनों को सही खतौनी उपलब्ध करा दी।

वहीं रामपुर निवासी मंगल यादव द्वारा जन्म प्रमाण पत्र निर्गत होने में विलंब की शिकायत पर जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी शुभम बरनवाल को कड़ी फटकार लगाई और तत्काल जन्म प्रमाण पत्र जारी कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर 202 फरियादियों ने प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। जिसमें 24 प्रार्थना पत्र का मौके पर ही निस्तारण हो? गया। इस मौके पर एसडीएम शैलेन्द्र कुमार, तहसीलदार अजीत कुमार, क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार सहित कर्मचारी और अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व हिंदू महासंघ भारत के जिला अध्यक्ष दीपक सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री भारत सरकार नई दिल्ली के नाम सौंपे ज्ञापन में बताया गया है कि पूर्व गोरक्ष पीठाधीश्वर गोरखपुर ब्रह्मलीन राष्ट्रीय संत महंत अवैद्यनाथ के द्वारा सामाजिक क्षेत्र में धर्मांतरण एवं लव जिहाद को रोकने का विषय रहा हो या फिर जातिगत विचारधारा के विपरीत सामाजिक समरसता के आधार पर सनातन संस्कृति की स्थापना करना धार्मिक क्षेत्र में महाराज के द्वारा अयोध्या में रामलला की स्थापना एवं राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण में जो भूमिका रही है उन्हें शब्दों के रूप में व्यक्त कर₹ पाना बहुत कठिन होगा ब्रह्मलीन महाराज ने सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र के अलावा मानव सेवा के क्षेत्र में भी साधारण कार्यों को संपन्न करने में विशेष भूमिका निभाई है जिसमें गरीब बच्चों की शिक्षा हेतु स्कूल कॉलेज तथा विश्वविद्यालय

की स्थापना तथा अहसाय रोगियों के लिए अस्पतालों की स्थापना तथा कई अन्य प्रकार की मानव तथा प्रातिक सेवा में अपना योगदान दिया है अतः भारत सरकार से विश्व हिंदू महासंघ भारत द्वारा यह मांग की जाती है कि ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ महाराज₹को निस्वार्थ एवं सामाजिक समर्पण भाव को देखते हुए उन्हें भारत रत्न की उपाधि से सुशोभित किया जाए।

ज्ञापन प्रस्तुत करने वालों में केशव कुमार सिंह मण्डल अध्यक्ष वाराणसी, दीपक सिंह जिलाध्यक्ष, आलोक कुमार सिंह, सुधीर कुमार सिंह, स्वतंत्र कुमार पाण्डेय, राजेश कुमार शुक्ला, बृजलाल एडवोकेट (तहसील अध्यक्ष), विशाल सिंह केराकत, सत्यम् सिंह उर्फ अंकित सिंह, धर्मेन्द्र सिंह प्रमोद कुमार सिह, बंटी सिंह, आनन्द सिंह अध्यासिह .राजेश शुक्ला. रेखा सिंह. जिला अध्यक्ष मातृशक्ति.राम अभय सिंह जिला महामंत्री आदि सैकडो लोग मौजूद रहें '

शिफा मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल
मानीकलॉ, जौनपुर
निःशुल्क मेगा कैम्प
(डायबटीज एवं हड्डी रोग)
23 दिसम्बर 2025, दिन मंगलवार, प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक
Dr. MOHD CHAND BAGWAN
MBBS, DNB (MD)
PDCC-CRITICAL CARE MEDICINE
CCEBDM (DIABETES)
डायबटीज, चेस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
अन्य ब्लड जाँच पर 50% डिस्काउन्ट
Dr. ABU FAISAL
MBBS, D. Ortho (Lko), DNB (Ortho)
PGDS (Orthopedic) Surgeon
गोल्ड मेडलिस्ट
(हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ)
मो0 नं0 7380850571 पर सम्पर्क कर एक दिन पहले रजिस्ट्रेशन करायें और इस अवसर का लाभ उठाएं।
डा0 मोहम्मद अकमल
(डायरेक्टर)
शिफा हास्पिटल, मानीकलॉ, जौनपुर-9451610571

OPD Fee	Free
Cholesterol	150/-
HbA1C	700/-
BMD	1500/-
PFT(Asthma)	1500/-
TSH	250/-
Sugar	50/-
Diet Councelling	200/-
Neuropathy	1000/-
Uric Acid	100/-
RA	150/-
TOTAL AMOUNT	5600/- Free

पुत्र प्राप्ति के लिए पति ने रचा ली दूसरी शादी, पहली पत्नी ने दर्ज कराया मुकदमा

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सौरइयांपट्टी गांव निवासी एक विवाहिता ने थाने में तहरीर देकर अपने ही पति के खिलाफ चोरी से दूसरी शादी रचाने का आरोप लगाया गया है। जिसके आधार पर पुलिस ने पति के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पत्नी का आरोप था कि पुत्रोत्पत्ति न होने पर पति ने चोरी से दूसरा विवाह कर लिया है। विरोध करने पर उसने मारपीट कर घायल कर दिया। विवाहिता ज्योती देवी ने शुक्रवार को थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसका विवाह लगभग 18 वर्ष पूर्व दिनेश गौतम पुत्र राजेन्द्र प्रसाद के साथ हुआ था। तब से हमारा पारिवारिक संबंध अच्छा चल रहा था, लेकिन कोई बच्चा नहीं हुआ। आरोप है कि इसी को लेकर मेरे पति ने चोरी से दूसरा विवाह कर लिया। शक होने पर जब छानबीन शुरू की तो पूरा मामला उजागर हुआ। आरोप है कि गत 18 दिसंबर को जब इसको लेकर पति से बातचीत कर विरोध करने लगी तो पति ने मारपीट शुरू कर दिया। लात घूंसो और डंडे से मारकर घायल कर दिया। यह भी आरोप है कि मायके या पुलिस को सूचना देने पर जान से मार देने की धमकी भी दी गई है। आरोप के आधार पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

गुरु नानक डिग्री कॉलेज सायन बॉयज क्रिकेट टीम का शानदार जीत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रविवार को मुंबई के चर्चगेट ओवल ग्राउंड में चल रहे एमसीए सीनियर कॉलेज टूर्नामेंट में गुरु नानक डिग्री कॉलेज बॉयज क्रिकेट टीम ने सेठ एलयू जवेरी कॉलेज, अंधेरी के खिलाफ मैच खेला। पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुरु नानक डिग्री कॉलेज क्रिकेट टीम ने 153 रन बनाए, जिसमें अनीश गुप्ता ने 53 रन का योगदान दिया। यश बोरा ने 5 ओवर में 18 रन देकर 5 विकेट लिए। बॉयज एवं गर्ल्स क्रिकेट टीमों के कोच सुजीत सिन्हा ने बताया कि इस समय हमारे जितने खिलाड़ी हैं सभी अपने-अपने 100% योगदान दे रहे हैं और क्रिकेट के नियमों के अनुसार सभी खिलाड़ी अपने अपने अहम भूमिका निभाते हुए अच्छा प्रदर्शन करके बहुत सी टीमों के साथ खेलते हुए अपनी जीत दर्ज कर रहे हैं सभी खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आगे और मेहनत परिश्रम करने पर ध्यान आकर्षित किया।

बनारस में यमुना यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

वाराणसी। काशी नगरी बनारस में यादव धर्मशाला में यमुना यादव, सचिवालय बिहार एवं राधे-राधे परिवार के राष्ट्रीय प्रचारक का जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर यादव ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक यादव के आवास पर सम्मान एवं सत्कार समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्र धारी यादव एवं उत्तर यादव युवा संघ के माध्यम से अशोक यादव से मुलाकात हुई। अशोक यादव के मैनेजर प्रदीप जायसवाल द्वारा सभी अतिथियों का विशेष रूप से स्वागत किया गया। इसके साथ ही सभी लोगों ने काशी विश्वनाथ मंदिर, काल भैरव मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों का दर्शन किया। इस अवसर पर राधे-राधे परिवार के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख संतोष यादव, उत्तर प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, मथुरा से राज्य प्रचारक सुभाष चंद्र, गाजीपुर के सोनू यादव तथा महाराष्ट्र के राज्य प्रचारक दिलीप चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सामाजिक एकता, संगठन विस्तार और सांस्कृतिक मूल्यों पर भी चर्चा की गई। सभी उपस्थित लोगों ने यमुना यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चकबंदी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश, डीएम ने 97 गांवों की प्रगति की की समीक्षा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में चकबंदी कार्यों को गति देने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने चकबंदी प्रक्रियाधीन 97 गांवों की अधिकारीवार विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि लंबित वादों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से धारा-9 से संबंधित आपत्तियों के निस्तारण के लिए गांवों में कैंप लगाकर समयबद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने चकबंदी कार्यों में अनावश्यक विलंब पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और चकबंदी की प्रगति में तेजी लाएं, ताकि किसानों को समय पर राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि चकबंदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, जिससे भविष्य में विवाद की स्थिति न उत्पन्न हो। बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, उप संचालक चकबंदी रामकिशोर, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी शैलेश कुमार पांडे सहित चकबंदी विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतिबंधित चायनीज मांझा की बिक्री करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा प्रतिबंधित चायनीज मांझे के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण मे थानाध्यक्ष सतेन्द्र भाई पटेल की टीम के उ0नि0 उमेश कुंवर सिंह द्वारा मय हमराही द्वारा ग्राम बरचौली पुलिया के पास से आरोपी राजकुमार गुप्ता पुत्र साहब लाल गुप्ता निवासी हैदरपुर थाना तेजीबाजार जौनपुर ,रवि कुमार पुत्र रामकुमार हलवाइ निवासी हैदरपुर थाना तेजीबाजार जौनपुर के कब्जे से प्रतिबन्धित अवैध चायनीज मांझा व सिन्थेटिक्स से बने नायलान धागा कुल वजन 3.5 कि0ग्रा0(10 पैकेट में 120 छोटा अन्टी नायलान माँझा 05 पैकेट में कुल 30 बड़ा अन्टी नायलान माँझ एक बड़ा परेता नायलान मांझा से भारा हुआ 100 ग्राम चायनीज माँझा) बरामद करते हुए अभियुक्त को समय 15.00 बजे दिनांक 20.12.2025 को गिरफ्तार किया गया।

क्यों वाराणसी कोर्ट में लाए गए अमिताभ ठाकुर? जानें विवादित वीडियो का सच

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। पूर्व आईपीएस अधिकारी और आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर को शुक्रवार को अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच वाराणसी कोर्ट में पेश किया गया। बॉडी प्रोटेक्टर और बुलेटप्रूफ जैकेट पहने पुलिसकर्मियों के घेरे में उन्हें कोर्ट परिसर के भीतर ले जाया गया। सुरक्षा इंतजाम इतने कड़े थे कि कोर्ट परिसर छावनी में तब्दील नजर आया। स्पेशल सीजेएम कोर्ट में हुई पेशी के दौरान अमिताभ ठाकुर को 24 घंटे की रिमांड पर लिया गया। कोर्ट के भीतर जज द्वारा बैठने के लिए कहे जाने के बावजूद वे पुलिस के रवैए से असंतुष्ट दिखे। इस दौरान उनकी पुलिसकर्मियों से तीखी बहस भी हो गई, जिससे माहौल कुछ देर के लिए तनावपूर्ण हो गया। पेशी के बाद जब पुलिस उन्हें वाराणसी जेल ले जाने लगी, तो उनकी आवाज मीडिया तक न पहुंचे, इसके लिए करीब 200 पुलिसकर्मी लगातार सीटी बजाते रहे। पुलिस प्रशासन की यह कार्रवाई चर्चा का विषय बनी रही। बताया गया कि 24 घंटे की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद अमिताभ ठाकुर को पुनः देवरिया जेल भेज दिया जाएगा।

उनके वकील अनुज ने रिमांड पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है, उनमें से दो धाराएं असंज्ञेय अपराध की श्रेणी में आती हैं, जिनमें रिमांड का प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद रिमांड दिया जाना कानूनी बहस को जन्म दे रहा है।

इससे पहले गुरुवार (18 दिसंबर) की शाम अमिताभ ठाकुर को बी-वारंट पर देवरिया जेल से वाराणसी लाया गया था। तब से वे वाराणसी सेंट्रल जेल में बंद थे, जहां उन्हें केंद्रीय कारागार की तन्हाई बैरक में रखा गया। सूत्रों के मुताबिक, पूरी रात वे बेचैन रहे और सो नहीं पाए। हिंदू संगठनों के संभावित आक्रोश को देखते हुए कोर्ट परिसर के भीतर और बाहर लगभग 500 पुलिसकर्मी बुलेटप्रूफ जैकेट में तैनात किए गए थे। हर गेट पर करीब 100 पुलिसकर्मियों की तैनाती रही, जबकि आसपास के इलाकों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई। कोर्ट के अंदर मौजूद आम लोगों और वाहनों को बाहर निकाल दिया गया। डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल स्वयं भारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे।

विवाद की जड़ क्या है?

अमिताभ ठाकुर को वाराणसी कोर्ट इसलिए लाया गया क्योंकि उनके खिलाफ चौक थाने में एक मुकदमा दर्ज है। यह मुकदमा हिंदू युवा वाहिनी के नेता और बड़ी पियरी निवासी अंबरीश सिंह भोला की तहरीर पर दर्ज किया गया है। आरोप है कि 30 नवंबर 2025 को अमिताभ ठाकुर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें अंबरीश सिंह पर कफ सिरप तस्करी से जुड़े झूठे आरोप लगाए गए। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस वीडियो से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचा।

इतना ही नहीं, आरोप यह भी है कि अमिताभ ठाकुर द्वारा शेयर किए गए एक अन्य वीडियो में शिकायतकर्ता को कथित आपराधिक गतिविधियों से जोड़ते हुए मनगढ़ंत आरोप लगाए गए। इसी विवादित वीडियो को लेकर मामला तूल पकड़ गया और अंततः अमिताभ ठाकुर को वाराणसी कोर्ट में पेश किया गया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिले सांसद डॉ. हेमंत सावरा

पालघर में अतिरिक्त जवाहर नवोदय विद्यालय और मौजूदा खठ्ठ की तत्काल मरम्मत की मांग

नई दिल्ली/पालघर। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर पालघर जिले के आदिवासी और ग्रामीण छात्रों की शिक्षा से जुड़ी अहम मांगें रखीं। उन्होंने जिले में एक अतिरिक्त जवाहर नवोदय विद्यालय (JNV) की स्वीकृति तथा मौजूदा पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय, पालघर के बुनियादी ढांचे की तत्काल मरम्मत और विस्तार की मांग की।

डॉ. हेमंत सावरा ने बताया कि पालघर जिले की कुल आबादी में लगभग 40 प्रतिशत, यानी 12 लाख से अधिक लोग अनुसूचित जनजाति से आते हैं। नवोदय विद्यालय समिति (NVS) की नीति 2016-17 के अनुसार, अधिक आदिवासी आबादी वाले जिलों में दो जवाहर नवोदय विद्यालयों की अनुमति दी जा सकती है। इसके बावजूद पालघर जिले में वर्तमान में केवल एक ही जवाहर नवोदय विद्यालय संचालित हो रहा है, जो पूरी क्षमता से अधिक छात्रों के साथ चल रहा है। उन्होंने बताया कि पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय, पालघर पिछले 25 वर्षों से मुख्य रूप से आदिवासी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है।

वर्तमान में विद्यालय में 520 छात्र अध्ययनरत हैं और निकट भविष्य में 80 नए छात्रों के प्रवेश का प्रस्ताव है। बढ़ती छात्र संख्या और पुराने बुनियादी ढांचे को देखते हुए विद्यालय परिसर में तत्काल मरम्मत और सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता है।

तत्काल आवश्यक कार्यों में शामिल हैं। जिसमें कैंपस के अंदर की सड़कों की मरम्मत, छात्रावासों में शौचालयों का नवीनीकरण, अंदरूनी बिजली वायरिंग को बदलना, खिड़कियों और दरवाजों की मरम्मत/बदलाव, लड़कों और लड़कियों के लिए अतिरिक्त हॉस्टल निर्माण, वार्डन और वाइस-प्रिंसिपल के लिए आवास की व्यवस्था शामिल हैं।

डॉ. सावरा ने यह भी स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन नए जवाहर नवोदय विद्यालय के निर्माण के लिए उपयुक्त और निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराने को पूरी तरह तैयार है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पालघर जिले के आदिवासी और ग्रामीण छात्रों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और समान शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। अतिरिक्त नवोदय विद्यालय और मौजूदा विद्यालय की मरम्मत से हजारों छात्रों का भविष्य सुरक्षित होगा। मुझे उम्मीद है कि केंद्र सरकार इस दिशा में जल्द सकारात्मक कदम उठाएगी।

जीवदानी हेलीपैड पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का भव्य स्वागत

विरार। विरार ईस्ट स्थित जीवदानी हेलीपैड पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का आज वसई विधानसभा क्षेत्र की ओर से स्वागत किया गया। इस अवसर पर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने उपमुख्यमंत्री को गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने अपने विधायक कार्यकाल के एक वर्ष पूरे होने पर किए गए विकास कार्यों की एक विस्तृत रिपोर्ट उपमुख्यमंत्री को सौंपी। इस रिपोर्ट में वसई विधानसभा क्षेत्र में बीते एक वर्ष में लागू की गई विभिन्न विकास योजनाओं का उल्लेख किया गया है। इनमें सड़क निर्माण, जलापूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, नागरिक सुविधाएं तथा जनता से जुड़े मुद्दों पर लिए गए ठोस निर्णय शामिल हैं। इस मौके पर महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक, शिवसेना नेता एवं विधायक रविंद्र फाटक, नालासोपारा विधायक राजन नाइक, पालघर विधायक राजेंद्र गावित, बोईसर विधायक विलासजी तारे, शिवसेना जिला प्रमुख नीलेश तेंदुलकर, शिवसेना वसई तालुका प्रमुख सुदेश चौधरी सहित कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने वसई विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की और आश्वासन दिया कि राज्य सरकार भविष्य में भी क्षेत्र के समग्र और सशक्त विकास के लिए पूरा सहयोग देती रहेगी।

स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिति में बहुजन विकास आघाड़ी के पदाधिकारी भाजपा में शामिल

वसई। विधायक जनसंपर्क कार्यालय, वसई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं महाराष्ट्र राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष विधायक रविंद्र दादा चव्हाण के नेतृत्व में विश्वास रखते हुए बहुजन विकास आघाड़ी के पूर्व नगरसेवक गणेश किसान पागे सहित बहुजन विकास आघाड़ी के अनेक वरिष्ठ एवं युवा कार्यकताओं ने आज सार्वजनिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश किया। इस अवसर पर सिद्धार्थ पागे, सतीश पागे, संदेश राजपूत, शैलेश राजपूत, रवि वरवी, वीरेंद्र घाग, अनवर सैयद, कुमार गुलाब वरवी, केतन पुरोहित, हीरा राजभर, विक्की वानखेड़े,

दिनेश बिल्डन, रेलेश गौड़, हामिद सैयद, अजमत खान, चंद्रकांत भंबेल, उमाकांत उपाध्याय, रेखाराम गोड़, राजेश यादव, रामजनम निषाद, मधुबन प्रजापति, राममणि पालन, दीपक प्रसाद, किशोर चेखलिया, रामलखन राजभर, रवि चव्हाण, मनीष प्रजापति, दिनेश पासवान, धर्मेंद्र सिंहानी, उपेंद्र सिंघानी, दीपक गुप्ता, श्री गंगा राय, राजेश सूर्यवंशी, बिरजू मसानी, अय्यप्पा मुरुगन, अरशद शेख, परेश सावंत, किशोर साठे, श्रीधर वधा, रियाज खान, जितेंद्र बंगेश, भास्कर बामश, शुभम वरवी, साबिर शेख, तंगवेल कोंधर, आकाश पाल, मनोज सूर्यवंशी, आनंद बिरवाडकर, उमाकांत मिश्रा, अजीत सिंह, विजय पालवे, राजेंद्र मिश्रा, नरेश कदम, किशन थापा और कई दूसरे कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए। इस मौके पर सीनियर नेता शेखर धुरी, इखढ माइनॉरिटी फ्रंट के डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट मैथ्यू कोलासो, पूर्व कॉर्पोरेटर दिनेश भानुशाली, श्रीमती अपर्णा पाटिल, पूर्व कॉर्पोरेटर छोटू आनंद, संतोष घाग के साथ-साथ बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

उन्होंने सभी नए लोगों का दिल से स्वागत किया और कहा, ह्लयह एंट्री निश्चित रूप से वसई के चौतरफा विकास को मजबूत करेगी ताकि लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के लोकप्रिय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में देश और राज्य में चल रहे विकास की धारा में हिस्सा ले सके।

राजर्षि कुंवर श्रीपाल सिंह की पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों को कंबल वितरित

जौनपुर । सिंगरामऊ रियासत के राजा हरपाल सिंह जूदेव के पुत्र स्वर्गीय राजर्षि कुँवर श्रीपाल सिंह की 17वीं पुण्यतिथि पर गौरीशंकर मंदिर परिसर में वस्त्र वितरण एवं श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उनकी पौत्र वधू डॉक्टर अंजु सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन तथा राजर्षि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। ठाकुरबारी महिला विकास कल्याण समिति की संस्थापिका एवं उनकी पौत्रबधू डॉक्टर अंजु सिंह ने कहा कि उनका जन्म 29 जुलाई 1918 को हुआ एवं उनका राज्याभिषेक 1939 में हुआ था उन्होंने कहा कि वे हमेशा गरीब, किसान, मजदूर और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और वह स्वयं भी उन्हीं की आदतों पर चलते हुए जनता की सेवा में समर्पित हैं ।उन्होंने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनका परिवार और संस्था भविष्य में भी इसी तरह के सामाजिक कार्य जारी रखेंगे। संस्था द्वारा जरूरतमंद लोगों को 200 से अधिक लोगों को कंबल और वस्त्र वितरित किए गए ।इस नेक कार्य से ठंड के इस मौसम में कई गरीब परिवारों को राहत मिली।

टेफल प्ले स्कूल के वार्षिकोत्सव में बच्चों ने दी शानदार प्रस्तुति

पटना(उत्तरशक्ति)। टेफल प्ले स्कूल ने राजेंद्र नगर स्थित प्रेमचंद रंगशाला में अपना वार्षिक समारोह धूमधाम से मनाया। एलिस इन वंडरलैंड थीम पर आधारित कार्यक्रम में पुरे हॉल को वंडरलैंड में सजाया गया था। कार्यक्रम में बच्चों ने एलिस, खरगोश, मैड हैटर, मशरूम, कैटरपिलर, चेस्टर कैट, डॉरमाउस और कई अन्य पात्रों की वेशभूषा धारण की थी। सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और शानदार प्रस्तुतियां दी। वहीं स्कूल ने सबसे छोटे वर्ग के बच्चों (टॉडलर्स) के लिए स्कूल सभागार में वार्षिक समारोह का आयोजन किया। थीम कैंडी लैंड थीम पर नन्हे-मुन्ने बच्चे चॉकलेट, परी, कपकेक, कैंडीमैन सहित विभिन्न आकर्षक किरदारों में सजे नजर आए। बच्चों ने कैंडी केन, फेयरी टेल हैप्पी डेम और कैंडीमैन जैसे गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। स्कूल की प्राचार्या हेमा ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा सांस्कृतिक और सह - पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए। इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण अभिभावकों का अभिनंदन था, जिन्होंने विद्यालय को अपना भरपूर सहयोग दिया और अभिभावकत्व की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। कार्यक्रम में एशान्या यशवानी के माता-पिता तथा मोहम्मद रागिब के माता-पिता को उनके उत्कृष्ट सहयोग एवं सहभागिता के लिए पेरेंट्स ऑफ द ईयर सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल की प्राचार्या द्वारा उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चों एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा टेफल किड्स क्लब के राज्य स्तरीय स्केटिंग चैम्पियनों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन स्कूल की शिक्षिका आँखि, सुबर्णा, दीपिका द्वारा किया गया।

फर्जी एसटीएफ अधिकारी बनकर लूटे सफेद धातु के पुराने सिक्के

गोंडा (उत्तरशक्ति)। यूपी के गोंडा में कोतवाली देहात पुलिस ने फर्जी एसटीएफ अधिकारी बनकर सफेद धातु के सिक्कों से भरा कलश ले जाने का सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस ने छह शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इसमें 35वीं बटालियन, लखनऊ पीएसी का सिपाही आलोक शुक्ला भी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार, दो फर्जी पुलिस आईडी कार्ड, एक कलश और 431 सफेद धातु के सिक्के बरामद किए हैं। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि बिहार के रोहतास जिले के रहने वाले उपेंद्र सिंह उर्फ उपेंद्र बाबा ने तहरीर दी। इसमें बताया कि 17 दिसंबर को ठकुरापुर स्थित बाबा कुटी में नए मंदिर निर्माण के लिए जेसीबी से खुदाई के दौरान मिट्टी में दबा एक धातु का कलश मिला था। इसमें 509 सफेद धातु के सिक्के थे। बताया कि 18 दिसंबर की दोपहर कलश को इनोवा वाहन में रखकर बालपुर बाजार ले जाते समय परसपुर मोड़ के पास कार सवार लोगों ने खुद को एसटीएफ अधिकारी बताया और वाहन रुकवाया। पहचान पत्र दिखाकर धमकाया और जांच के नाम पर कलश अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद फरार हो गए। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी त्रिलोकी पांडेय, आलोक शुक्ला उर्फ सुधीर, हरिओम दूबे, प्रिंस मिश्रा, राहुल यादव उर्फ बब्लू और मनोज मिश्रा को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि जेसीबी चलाने के दौरान सिक्के निकलते देख उन्होंने लालच में आकर योजना बनाई। फर्जी एसटीएफ अधिकारी बनकर साधुओं को धमकाया और कलश लूट लिया। रात में सिक्के बेचने की तैयारी कर रहे थे। इसी समय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

कोहरे ने ट्रेनों की स्पीड पर लगाया ब्रेक

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। घने कोहरे की वजह से दिल्ली-हावड़ा मुख्य रेल मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही पर खासा असर पड़ा है। बृहस्पतिवार को प्रयागराज जंक्शन आने वाली अधिकांश ट्रेनें निर्धारित समय से कई घंटे की देरी से पहुंचीं। नॉर्थ ईस्ट और सियालदाह-अजमेर निरस्त रही। इससे भी यात्रियों को काफी परेशानी हुई। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि टुंडला-कानपुर-प्रयागराज-डीडीयू (पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन) सेक्शन में कोहरा सबसे घना है। कम दृश्यता की वजह से लोको पायलटों को सिग्नल देखने में दिक्कत हो रही है। इस वजह से ट्रेनों की गति पर असर पड़ा है। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए रेलवे ने इस सेक्शन में ट्रेनों की गति भी कम कर दी है। बृहस्पतिवार को तेजस राजधानी एक्सप्रेस रात 12 बजे की जगह छह घंटे की देरी से सुबह छह बजे जंक्शन पहुंची। वहीं, नई दिल्ली से आने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस सुबह सात बजे की जगह चार घंटे की देरी से 11 बजे जंक्शन पहुंची।